संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 10
पृष्ठ 8
गुरुवार
26 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इस मौसम में एसी की हवा के...

विचार- काव्य-मंच पर शिष्टाचार के पक्षधर थे...

खेल- डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा विकेट से लेकर...

सीएम योगी ने पंडित-दीनदयाल-उपाध्याय की १०८वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सीएम योगी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। केकेसी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, .यूपी बीजेपी के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी मौजूद रहे। सीएम योगी और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सदस्यता अभियान के तहत लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। लखनऊ की टीम को 2 लाख 52 हजार से ज्यादा सदस्य बनाने पर बधाई दी गई। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा राष्ट्रनायक दिन दयाल उपाध्याय जी का जन्मदिन है। लाखो को प्रेरणा देता है। हमारी सरकारें समाज के कमजोर वर्गों के लिए काम कर रही है। बदलता परिवेश सामने है। सदस्यता अभियान का महापर्व है। घर घर जाकर लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करना है। आज हमारे लिए गर्व का दिन है। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने 2 लाख 52 हजार से ज्यादा सदस्य बनाकर लखनऊ नम्बर वन बना। बीजेपी महानगर अध्यक्ष लखनऊ सर्वप्रथम अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती है। सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय का चिंतन मनन आज भी भारतीय लोकतंत्र के लिए राजनैतिक दलों द्वारा उनका चिंतन देखने को मिलता है। गांव गरीब किसान ,महिलाओं को स्वावलंबन के मार्ग पर अग्रसर के लिए सहानुभूति है। 70 साल पहले भारतीय राजनीति को दी थी। सीएम योगी ने कहा कि देश में 80 करोड़ लोग फ्री में राशन का लाभ ले रहे है। 10 करोड़ लोगों को उज्जवला योजना का लाभ मिल रहा है। पीएम मोदी जी के विजन को जमीन पर उतार रहे है। भाजपा सबसे बड़ा राजनैतिक दल के रूप में काम कर रहा है। महानगर की टीम को बधाई देता हूँ। सीएम ने कहा पीएम मोदी कहते है, बूथ जीता तो चुनाव जीता ।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 108 वी जयंती है। देश में पीएम मोदी जी के मार्गदशन में काम किया जा रहा है। हर गरीब को मुख्य धारा में लाने के लिए सरकार काम कर रही है। सदस्यता अभियान में हर कार्यकर्ता बूथ पर जाकर 100 सदस्य बनाएगा।

परिवारवाद से मुक्त हो रहा देश : पीएम मोदी

कांग्रेस की टूटती जा रही उम्मीदें

हरियाणा, एजेंसी। हरियाणा में चुनावी प्रचार तेज हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हरियाणा के सोनीपत में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने हुंकार भरते हुए साफ तौर पर कहा कि हरियाणा है तैयार, फिर एक बार भाजपा सरकार। नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के शुरूआत में कहा कि सोनीपत की धरती से महान सपूत सर छोटू राम को प्रणाम करता हूं, उनका जीवन किसानों और वंचितों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आज 25 सितंबर, हमारे पथ प्रदर्शक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती है, गरीबों की सेवा के लिए उन्होंने जो रास्ता दिखाया वह हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए संकल्प पथ की तरह है। मोदी ने यह भी कहा कि आज जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण का मतदान भी हो रहा है। ये मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। लोग सुबह से ही वोट डालने के लिए कतारों में लग गए हैं। पहले चरण में जिस तरह जम्मू कश्मीर में मतदान का रिकॉर्ड टूटा, वो भी दुनिया ने देखा। मैं जम्मू कश्मीर के लोगों की सराहना करूंगा, उन्हें बधाई दूंगा कि वे लोकतंत्र के इस पर्व में उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे मतदान का दिन नजदीक आ रहा है, कांग्रेस की उम्मीदें टूटती जा रही हैं। हरियाणा में बीजेपी के प्रति समर्थन दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पूरा हरियाणा कह रहा है 'फिर एक बार बीजेपी सरकार'। मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार में हरियाणा आज खेती और उद्योग, दोनों मामलों में देश के टॉप राज्यों में अपनी जगह बना रहा है। जब औद्योगिकरण बढ़ता है, तो इसका सबसे अधिक फायदा गरीब, किसान और दलित को होता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर मानते थे कि दलितों के सशक्तिकरण में उद्योगों की बड़ी भूमिका होती है। वे देखते थे कि गरीबों, दलितों, वंचितों के पास पर्याप्त जमीन नहीं होती। बहुत से गरीब साथी भूमिहीन होते थे और मजदूरी करके अपनी जिंदगी काटते थे। इसलिए बाबा साहेब कहते थे कि जब फैक्ट्रियां लगती हैं, तब गरीबों, दलितों, वंचितों को अवसर मिलता है।

पंद्रह देशों के राजनयिकों ने कश्मीर में देखी मतदान की प्रक्रिया

नयी दिल्ली, 25 सितंबर (वार्ता) लगभग 15 देशों के राजनयिकों का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के लिए आज हो रहे दूसरे चरण के मतदान के दौरान कश्मीर घाटी के विभिन्न मतदान केंद्रों पर वोट डालने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। सूत्रों ने यहां बताया कि 15 देशों के वरिष्ठ राजनयिकों का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल मौजूदा विधानसभा चुनावों को देखने के लिए जम्मू कश्मीर की यात्रा पर है। इन देशों में अमेरिका, मैक्सिको, गुयाना, दक्षिण कोरिया, सोमालिया, पनामा, सिंगापुर, नाइजीरिया, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, नॉर्वे, तंजानिया, रवांडा, अल्जीरिया और फिलीपींस शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार नयी दिल्ली स्थित इन देशों के दूतावासों का प्रतिनिधित्व उनके चार्ज डि अफेयर्स या डिप्टी चीफ ऑफ मिशन द्वारा किया जा रहा है। अन्य का प्रतिनिधित्व मिनिस्टर-काउंसिलर स्तर के राजनयिकों द्वारा किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक प्रतिनिधिमंडल ने बडगाम क्षेत्र के ओमपोरा में मतदान केंद्रों का दौरा किया, इसके बाद लाल चौक निर्वाचन क्षेत्र के भीतर अमीरा कदल और एसपी कॉलेज, चिनार बाग में रुके।

राहुल गांधी सोपोर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित कर बोले-

बीजेपी-आरएसएस के लोग पूरे देश में नफरत और हिंसा फैलाते

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि चुनाव से पहले राज्य का दर्जा बहाल हो जाए। जम्मू-कश्मीर के सभी लोग चाहते थे कि राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद चुनाव हों। ऐसा नहीं हुआ, पहला कदम चुनाव है। लेकिन इसके बाद जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना होगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसके लिए इंडिया अलायंस संसद में पीएम मोदी पर दबाव बनाएगा। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो केंद्र में इंडिया एलायंस की सरकार बनते ही हम आपका राज्य का दर्जा बहाल कर देंगे। राहुल ने लोगों से कहा कि अगर हम चाहते हैं कि यह सेब अमेरिका और जापान तक पहुंचे, तो राज्य का दर्जा बहाल करना होगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बीजेपी-आरएसएस के लोग पूरे देश में नफरत और हिंसा फैलाते हैं। तभी हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' की। हमने उन्हें इस यात्रा से संदेश दिया कि अगर आप नफरत का बाजार खोल सकते हैं, तो हम मोहब्बत की दुकान खोल सकते हैं, क्योंकि ये भाईचारे और मोहब्बत का देश है। ये देश सबका है और यहां सबकी इज्जत होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि मेरा आपका रिश्ता राजनीतिक नहीं है। आपसे मेरा खून और मोहब्बत का रिश्ता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जब भी आपको मेरी जरूरत पड़े.. आपको सिर्फ बुलाना है, मैं हाजिर हो जाऊंगा। इससे पहले उन्होंने एक और सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदुस्तान के इतिहास में बहुत सारी UTs को राज्य बनाया गया, लेकिन पहली बार एक राज्य को यूनियन टेरिटरी बनाया गया है, ये जम्मू-कश्मीर के साथ हुआ है।

टीएमसी सांसद हाजी नुरुल इस्लाम का निधन, लीवर कैंसर से थे पीड़ित

नई दिल्ली, एजेंसी। शीरहाट के सांसद हाजी नुरुल इस्लाम का निधन हो गया। वह 61 वर्ष के थे। जानकारी के मुताबिक वह लंबे समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। बुधवार दोपहर को उनके घर पर उनका निधन हो गया। उनके निधन पर ममता बनर्जी ने दुख जताया है। ममता ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मेरे मूल्यवान सहयोगी, बशीरहाट के हमारे सांसद, हाजी एसके नुरुल इस्लाम के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। वह सुदूर सुंदरबन क्षेत्र में एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता थे और उन्होंने पिछड़े क्षेत्र में गरीब लोगों के उत्थान के लिए कड़ी मेहनत की। बशीरहाट के लोग उनके नेतृत्व को याद करेंगे। मैं उनके परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। नुरुल 2009 में पहली बार तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर बशीरहाट से सांसद बने। 2014 में जंगीपुर से उम्मीदवार खड़े हुए और हार गए।

दिल्ली सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाने की घोषणा की, जानें कितनी हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने दीवाली से पहले लाखों श्रमिकों और कर्मचारियों को तोहफा दिया है। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने की घोषणा की है। इसके बाद अब अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 18066 रुपये हुई, जो पहले 17494 रुपये थी। अर्धकुशल श्रमिकों का अब न्यूनतम मेहनताना 19,929 रुपये हुआ, जो पहले 19,279 रुपये था। इसी तरह कुशल श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 21,917 हुआ जो पहले

पहले 21,215 रुपये था। दिल्ली की मुख्यमंत्री अतिशी ने कहा, ष्अगर आप देश भर में न्यूनतम मजदूरी देखने जाएंगे तो अरविंद केजरीवाल की सरकार में देश में सबसे अधिक न्यूनतम मजदूरी दी गई है। गरीब लोगों के शोषण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने ऐतिहासिक स्तर पर न्यूनतम मजदूरी को पहुंचाया है। भाजपा ने हमेशा गरीब विरोधी काम किया है और इसे हम दो तरीके से देख सकते हैं। पहली बार जब अरविंद केजरीवाल की सरकार ने 2016-2017 में न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाने की बात की तो भाजपा ने अपने उपराज्यपाल के माध्यम से हमें रोका। तब न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार कोर्ट से आदेश लेकर आई। भाजपा ने इसकी पुरजोर विरोध किया।

500 उग्रवादियों ने डाले हथियार

त्रिपुरा को उग्रवाद से पूरी तरह मुक्ति दिला कर गृह मंत्री अमित शाह ने रचा इतिहास

त्रिपुरा, एजेंसी। त्रिपुरा में प्रतिबंधित समूह 'नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा' (एनएलएफटी) और 'ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स' (एटीटीएफ) के करीब 500 उग्रवादियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री माणिक साहा के समक्ष अपने हथियार डाले। सिपाहीजाला जिले के जम्पुइजाला में एक कार्यक्रम में उग्रवादियों का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए साहा ने कहा कि उग्रवाद किसी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने बड़ी संख्या में उग्रवादियों के आत्मसमर्पण के बाद इस पूर्वोत्तर राज्य को "पूरी तरह से उग्रवाद से मुक्त" घोषित किया। साहा ने कहा, "केंद्र और राज्य सरकार विभिन्न योजनाएं शुरू कर स्वदेशी लोगों के सम्पूर्ण विकास के लिए काम करती रही है। मैं हिंसा का रास्ता छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने वाले लोगों का स्वागत करता हूं।" एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनएलएफटी और एटीटीएफ के करीब 500 उग्रवादियों ने यहां आत्मसमर्पण कर दिया और बाकी के कैडर आने वाले दिनों में आत्मसमर्पण करेंगे। इस दौरान उग्रवादियों ने अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र सौंप दिए।

प्रयागराज कब्रिस्तान में मिले नोट छापने के कागजः मजार के पीछे छिपाए थेय बांग्लादेशी गैंग के संपर्क में थाय मदरसा कांड में हाथ लगे क्लू

प्रयागराज। प्रयागराज के मदरसा में नकली नोट छापने का आरोपी मो.जाहिर बांग्लादेश के 2 संगठनों के संपर्क में था। वह बांग्लादेश लोकेशन के वीडियो देखता था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, मो.जाहिर ओडिशा में रहने के दौरान बांग्लादेश के मौलाना के संपर्क में आया। सर्च हिस्ट्री में बांग्लादेश की कई लोकेशन मिली है। जिन्हें जांच एजेंसियां ट्रेस कर रही हैं। दरअसल, प्रयागराज में नकली नोट छापने, बच्चों के ब्रेनवॉश करने, ै आतंकी संगठन शीर्षक वाली किताब रखने के आरोपी मौलवी समेत 4 को पुलिस ने रिमांड पर लिया। प्ठ, ।ै और सिविल लाइन थाने की पुलिस ने 7 घंटे पूछताछ की। विदेशी फंडिंग और टेरर फंडिंग को लेकर भी पूछताछ की। चारों आरोपियों को लेकर टीमें दरियागंज कब्रिस्तान पहुंचीं। यह मजार के पीछे बना हुआ है। यहां 2 बंडल यानी 500–500 शीट बरामद की गई। जिनसे नोट छापी जानी थीं। मो. जाहिर ने बताया कि इन बंडल की मदद से भी नोट छापे जाने थे। पुलिस के अचानक एक्टिव होने के बाद मदरसा से शीट के बंडल हटाकर मो. अफजल के घर पर रखे गए। छापेमारी से एक दिन पहले ही इन बंडलों को कब्रिस्तान में छिपा दिया गया था, क्योंकि यहां लोगों का मूवमेंट सबसे कम रहता है। प्रिंसिपल मौलवी तफसीरुल आरीफीन के हिसाब से इन शीट से करीब 3 लाख रुपए के नकली नोट छापे जाने थे। यह मदरसा के अंदर की तस्वीरें हैं। इसमें क्लासेज, हॉस्टल, कॉन्फ्रेंस रूम हैं। इसी के पास सीढ़ियां हैं, ऊपर की मंजिल के कमरे में नकली नोट छापे जा रहे थे। यह मदरसा के अंदर की तस्वीरें हैं। इसमें क्लासेज, हॉस्टल, कॉन्फ्रेंस रूम हैं। इसी के पास सीढ़ियां हैं, ऊपर की मंजिल के कमरे में नकली नोट छापे जा रहे थे। मौलाना और मो. जाहिर बांग्लादेश में फेक करेंसी छापने वाले गैंग के संपर्क में था? जांच एजेंसियों ने भास्कर को बताया– मो. जाहिर की कुछ चौटिंग मिली हैं। जिनमें नोट छापने से संबंधित सवाल–जवाब हैं। मो. जाहिर ओडिशा में रहने के दौरान ही बांग्लादेश के कुछ मौलाना के संपर्क में आ गया था। सोशल मीडिया के अकाउंट पर बातचीत होती थी। चारों आरोपियों के मोबाइल जांच एजेंसियों के पास हैं। थ्स् की मदद से डेटा रिकवर किया जा रहा है। यह भी सामने आया कि मोबाइल में कुछ वीडियो मदरसा के भी हैं, जिनमें वह लोग फेक करेंसी छापने की तैयारी कर रहे हैं। प्रिंसिपल मौलवी तफसीरुल आरीफीन से ै को आतंकी संगठन बताने वाली किताब के सवाल पर बताया कि यह किताब तो ऑनलाइन उपलब्ध है। कोई भी खरीद सकता है। कई दूसरे लोगों ने इस किताब के बारे में जिक्र किया था और कहा था कि ऑनलाइन मिल जाएगी। इसलिए मैंने भी मंगवा ली। जांच एजेंसियों ने बताया– मदरसा कमेटी के लोगों की फेक करेंसी छापने में भूमिका के सवाल पर सभी आरोपियों ने इनकार कर दिया। आरोपियों के परिवार, रिश्तेदार, नजदीकियों के बारे में पूछताछ की। उनकी बैंक डिटेल देखी। चारों का कहना है कि नकली नोट बहकावे में आकर छापने लगे थे। कौन बहका रहा था? इसका जवाब उन लोगों ने नहीं दिया।

गैंगस्टर एक्ट में नियमानुसार कार्यवाही न होने पर जवाब तलब, देवरिया का मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में नियमानुसार कार्यवाही न होने को लेकर दाखिल याचिका पर गोरखपुर के जिलाधिकारी से जवाब मांगा है। साथ ही देवरिया निवासी याची हेमवंती पटेल के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर लगी रोक को अगली सुनवाई तक बढ़ा दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति वीके बिडला एवं अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने हेमवंती पटेल की याचिका पर दिया है। हेमवंती पटेल के खिलाफ गोरखपुर के चिलवाताल थाने में गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज है। याचिका में इस मामले की एफआईआर को चुनौती दी गई है। अधिवक्ता सुनील चौधरी ने कोर्ट को बताया कि याची के विरुद्ध तीन झूठे केस दर्ज कराए गए थे, जिनमें वह जमानत पर है। साथ ही याची पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई गलत है। डीएम ने संयुक्त मीटिंग कर गैंगस्टर चार्ट नहीं तैयार कराया है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में इस मामले में जवाब मांगा था और याची के विरुद्ध उत्पीड़न की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। याची पर रेप, पॉक्सो व ठगी के झूठे केस दर्ज कराने व सहयोग करने का आरोप में तीन मुकदमे दर्ज हैं। उसके गैंग का सरगना विकास सिन्हा है। याची की कुर्की की कार्रवाई के लिए वारंट जारी किया गया था। अपर शासकीय अधिवक्ता ने जवाब दाखिल किया, जिसमें संयुक्त मीटिंग के बारे में कुछ नहीं कहा गया। इस पर कोर्ट ने अपर शासकीय अधिवक्ता से डीएम गोरखपुर द्वारा मीटिंग के संदर्भ में समस्त अभिलेखों व पूरी जानकारी और रजिस्टर दाखिल करने को कहा है।

महाकुंभ के कार्यों को 15 नवंबर तक करें पूरा, बारिश के चलते प्रमुख सचिव ने दी 15 दिन की मोहलत

प्रयागराज। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने कहा कि महाकुंभ के कार्य 15 नवंबर तक पूरे कर लिए जाएंगे। बारिश तथा

बाढ़ को देखते हुए 15 दिन का और मौका दिया गया है। पहले 31 अक्तूबर तक ही काम पूरा होने की बात कही गई थी। प्रमुख सचिव दो दिनों के लिए मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे। शाम को पहुंचे प्रमुख सचिव ने देर रात तक महाकुंभ के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्ता में उन्होंने कहा कि 15 नवंबर तक सभी काम पूरा कर लेने के निर्देश दिए गए हैं, उन्होंने दावा किया कि काम पूरे भी हो जाएंगे। जो थोड़ा बहुत काम रह जाएगा वह 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। प्रमुख सचिव ने कहा कि बाढ़ की वजह से मेला क्षेत्र में काम प्रभावित हुआ है। अब तक काम शुरू हो जाना चाहिए था लेकिन पानी भरा हुआ है। इससे जल निगम का काम काफी पीछे हो गया है लेकिन प्रशासन इसके लिए तैयार है। जरूरी संसाधन बढ़ाकर काम कराए जाएंगे। महाकुंभ की दिव्यता में कोई कमी नहीं रहेगी और न ही आगंतुकों को किसी तरह की परेशानी होगी। प्रमुख सचिव ने कहा कि महाकुंभ के कार्यों का निरीक्षण किया जा रहा है। बुधवार को बैठक में प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा जरूरी निर्देश दिए जाएंगे। प्रमुख सचिव ने देर रात तक स्वरूपरानी अस्पताल की तरफ जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण, बालसन चौराहे पर गहरी सीवरलाइन बिछाने, भरद्वाज आश्रम कॉरिडोर, अलोपीबाग पंपिंग स्टेशन की क्षमता विकास, मनकामेश्वर मंदिर कॉरिडोर, झूंसी में पीडीए की ओर से किए जा रहे सड़क चौड़ीकरण एवं नाली निर्माण समेत कई कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों की चौड़ाई, उसकी गुणवत्ता, साइनेज लगाने समेत अन्य बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी ली। प्रमुख सचिव जहां भी गए मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत तथा मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने पहले उस काम तथा उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। इसके बाद कार्यदायी विभाग के अफसरों ने निर्माण तथा उसकी प्रगति के बारे में बताया। प्रमुख सचिव ने कई जगहों पर निर्माण में बदलाव किए जाने के भी निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने काम में तेजी लाते हुए सभी कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों भी फीडबैक लिया। इस दौरान डीएम रविंद्र कुमार मांदर, नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग, सीडीओ गौरव कुमार समेत संबंधित विभागों के अफसर मौजूद रहे। भरद्वाज आश्रम में हवन कुंड के साथ बनने वाले मंडप में लाल पत्थर लगाए जाएंगे। निरीक्षण के लिए पहुंचे प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने यह निर्देश दिया। भरद्वाज मंदिर में दर्शन के बाद प्रमुख सचिव ने पुजारी से स्थान के महात्म के बारे में जानकारी ली। पार्षद आनंद घिल्डियाल तथा आसपास के अन्य लोगों से भी उन्होंने बात की तथा निर्माण की बाबत जानकारी ली।

अब बेली अस्पताल में भी कराइए एलाइजा टेस्टरूडेंगू मरीजों के सैंपलों की जांच में होगी सहूलियत, 56 लोगों में डेंगू की पुष्टि

प्रयागराज। प्रयागराज में अब डेंगू के केस बढ़ने लगे हैं। ऐसे में सरकारी अस्पतालों से लेकर लैब तक व्यवस्थाएं बढ़ाई जा रही हैं। डेंगू के संदिग्ध मरीजों के सैंपलों की जांच के लिए अभी तक एलाइजा जांच की सुविधा सिर्फ मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के लैब में ही थी लेकिन अब तेजबहादुर सप्रू बेली अस्पताल में भी एलाइजा जांच आसानी हो सकेगी। यहां पैथालॉजी लैब में एलाइजा नई मशीन आ गई है और इससे जांच भी शुरू हो गई है। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में यह दूसरा अस्पताल है जहां अब एलाइजा की जांच होगी। बेली की पैथालॉजी में एलाइजा जांच

की सुविधा शुरू होने के बाद सैंपलों की जांच में आसानी हो जाएगी। पैथालॉजी के प्रभारी जितेंद्र मिश्रा बताते हैं कि एलाइजा जांच में डेंगू होने की सबसे कंफर्म रिपोर्ट होती है। इसमें एक साथ एक कार्ड पर 10 सैंपलों की जांच होती है। रिपोर्ट आने में कम से कम 6 से 7 घंटे लग जाते हैं। अभी तक यहां कार्ड टेस्ट होता रहा है, यदि इसमें किसी में डेंगू होने के लक्षण मिलते थे तो उसकी पुष्टि के लिए हम लोग मेडिकल कॉलेज में एलाइजा टेस्ट के लिए भेजते थे। अब यहीं पर यह सुविधा होगी। जिला मलेरिया अधिकारी आनंद कुमार सिंह की ओर से भेजी गई रिपोर्ट में कुल 56 लोगों में एलाइजा जांच में डेंगू होने की पुष्टि हुई है। दरअसल, विभाग उन्हीं को डेंगू मरीज मानता है जिनकी एलाइजा जांच में डेंगू होने की पुष्टि होती है। एलाइजा में संक्रमित मिले 4 मरीज अभी अस्पतालों में भर्ती है।

हाईकोर्ट ने कहा-वकीलों का अभद्र व्यवहार बर्दाश्त नहीं: कोर्ट ने दोबारा गलती नहीं करने, बिना शर्त माफी मांगने पर अधिवक्ता के खिलाफ कार्रवाई समाप्त की

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वकीलों का न्यायाधीशों के प्रति अशिष्ट व्यवहार की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट ने क्षमा मांगने पर अधिवक्ता के खिलाफ अवमानना कार्रवाई समाप्त तो कर दी परन्तु जिला जज कानपुर नगर को दो साल बाद याची के आचरण को लेकर हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी की खंडपीठ ने कहा कि वकीलों से अपेक्षा की जाती है कि वे न्यायाधीशों के खिलाफ असंयमित भाषा का प्रयोग करने से बचें । न्यायालय ने आदेश में कहा कि अधिवक्ताओं द्वारा पीठासीन न्यायाधीश के प्रति अभद्र व्यवहार किए जाने की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। न्यायाधीश केवल सौहार्दपूर्ण वातावरण में ही काम कर सकते हैं। न्यायालय के अधिकारी होने के नाते अधिवक्ता से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह न्यायाधीश के प्रति अभद्र व्यवहार करे या पीठासीन अधिकारी के विरुद्ध असंयमित भाषा का प्रयोग करे। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी एक सिविल जज कानपुर नगर द्वारा योगेन्द्र त्रिवेदी नामक वकील के खिलाफ 4 फरवरी 2023 को भेजे गए संदर्भ पर सुनवाई करते हुए की। अधिवक्ता त्रिवेदी ने पिछले साल हुई एक अदालती कार्यवाही के दौरान कथित तौर पर कोर्ट स्टाफ से एक फाइल छीन ली थी और ट्रायल जज के खिलाफ टिप्पणी की थी। त्रिवेदी पर जज के खिलाफ अनचाही टिप्पणी करने का भी आरोप है। बाद में उन्होंने बिना शर्त माफी मांगी, जब हाईकोर्ट ने सिविल जज के संदर्भ के आधार पर शुरू की गई अदालती अवमानना घ्घ्की कार्यवाही में उन्हें नोटिस जारी किया। हालांकि, न तो हाईकोर्ट और न ही सिविल जज माफी से संतुष्ट थे। इसके बाद मामले को स्थगित कर दिया गया ताकि वकील बेहतर हलफनामा दाखिल कर सकें। इसके बाद त्रिवेदी ने दुबारा फिर बिना शर्त माफी मांगी। हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता कोर्ट में हाजिर हुए और उन्होंने कहा कि वह कभी भी इस तरह की अवज्ञाकारी हरकत नहीं दोहराएंगे। हाईकोर्ट ने अनुरोध स्वीकार कर लिया, लेकिन साथ ही वकील को भविष्य के लिए चेतावनी भी जारी की। हाईकोर्ट ने कहा ष्हम इस मामले में अधिक गंभीर दृष्टिकोण अपनाने के लिए इच्छुक थे, लेकिन इस तथ्य पर विचार करते हुए कि अवमाननाकर्ता एक युवा अधिवक्ता है और उसके द्वारा इस तरह के आचरण का कोई पूर्व आरोप नहीं लगाया गया है, हम उसे सख्त चेतावनी जारी करके वर्तमान कार्यवाही को समाप्त करते हैं। हालांकि, हम यह स्पष्ट करते हैं कि यदि अवमाननाकर्ता की ओर से ऐसा कोई अवांछनीय कृत्य हमारे संज्ञान में लाया जाता है तो यह न्यायालय तत्काल अवमानना घ्घ्की कार्यवाही को फिर से शुरू करेगा और मामले में गंभीरता से विचार करेगा,

प्रयागराज में कुलियों ने किया प्रदर्शनः रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिक कार चलने का किया विरोध, कहा- रोजी रोटी छिन गई

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को कुलियों ने प्रदर्शन किया। प्रयागराज जंक्शन के साथ ही अन्य रेलवे स्टेशनों और दूसरे जिलों के कुली भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रयागराज जंक्शन पर इलेक्ट्रिक कार से सवारियों के साथ ही सामान ढोने के खिलाफ यह कुली प्रदर्शन कर रहे हैं। कुलियों का कहना है कि उनकी रोजी रोटी छीन ली गई। वह लगातार अपनी आवाज उठा रहे हैं लेकिन रेलवे अधिकारी उनकी बातों को अनसुना कर रहे हैं। उनका कहना है कि हजारों परिवार रेलवे की नीतियों की वजह से परेशान हो रहे हैं। उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले प्रयागराज जंक्शन के अलावा कानपुर और अलीगढ़ रेलवे स्टेशन के कुली भी इस प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। कानपुर और अलीगढ़ के कुली इस प्रदर्शन में इस कारण शामिल है क्योंकि इन दोनों स्टेशनों पर भी इलेक्ट्रिक कार चल रही हैं। कुलियों ने एकजुट होकर जंक्शन से लेकर डीआरएम ऑफिस तक जुलूस निकाला। हालांकि डीआरएम ऑफिस के बाहर उन्हें रेलवे सुरक्षा बल और पुलिस ने रोक लिया। कुलियों ने ज्ञापन देकर एक हफ्ते का समय दिया है। कहा है कि उनकी मांग न माने जाने पर आंदोलन और तेज करेंगे। कुलियों ने विरोध प्रदर्शन करने के बाद अपनी मांगों को रखा। उनका कहना है कि इलेक्ट्रिक कार को जंक्शन पर चलाते समय कहा गया था कि उसमें दिव्यांगों को बैठाकर लाया ले जाया जाएगा। ऐसा नहीं किया जा रहा है। गाड़ी से सवारियों को और उनके सामानों को ढोया जाता है। कुलियों ने प्रयागराज जंक्शन पर 17 सितंबर से शुरू किए गए यात्री सुविधा केंद्र का भी विरोध किया है। उनका कहना है कि यात्रियों को लगेज ट्रॉली भी किराए पर दी जाएगी इससे उन्हें और नुकसान होगा।

मोबाइल की लत या परीक्षा का तनाव, शिविर में लें परामर्श

प्रयागराज। मनोविज्ञानशाला की ओर से गुरुवार सुबह दस से चार बजे तक निःशुल्क एक दिवसीय शिविर आयोजित किया जाएगा। निदेशक ऊषा चन्द्रा के अनुसार हाईस्कूलध्इंटर बोर्ड परीक्षा या प्रतियोगी परीक्षा से संबंधित समस्याओं जैसे अध्ययन के लिए एकाग्र न हो पाना, शैक्षणिक तनाव, घर के बाहर रहने में तनाव (होम सिकनेस), परीक्षा से भय, अच्छे अंक न आने का भय, परीक्षा से संबंधित दबाव इत्यादि का समाधान किया जाएगा। साथ ही बच्चों में बढ़ती हुई संवेगात्मक एवं शिक्षा सम्बन्धी अन्य समस्याओं जैसे झूठ बोलना, जिद्द करना, आक्रामकता, स्कूल जाने से बहाना करना, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (मोबाइल, आईपैड, लैपटॉप, हेडफोन इत्यादि) के अत्यधिक प्रयोग के कारण संवेगात्मक व्यवहार संबंधित समस्याएं जैसे मन उदास रहना, लोगों से मिलने जुलने मे असहज महसूस करना, एक ही कार्य को बार–बार करने की आदत एवं मानसिक समस्याएं जैसे तनाव, चिन्ता, अनिद्रा, सिर दर्द, अवसाद आदि से ग्रस्त छात्र–छात्राएं अपनी मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान के लिए परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में आने वाले परामर्श प्रार्थी अपना निःशुल्क रजिस्ट्रेशन संस्थान के टोल फ्री नंबर 1800–180–5311 पर एवं संस्थान में उपस्थित होकर शिविर के पूर्व भी करा सकते हैं।

प्रयागराज मंडल में ऑनलाइन पेमेंट की सहूलियत बढ़ा रहा रेलवेय मोबाइल से लें टिकट

प्रयागराज। ऑनलाइन टिकट बुकिंग और ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा को रेलवे लगातार बढ़ा रहा है। डिजिटल माध्यम से भुगतान कर टिकट लेने को और सुविधाजनक बनाया गया है। प्रयागराज जंक्शन पर सभी अनारक्षित टिकट काउंटरों सहित

प्रयागराज मंडल के 79 टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अब यात्री क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान कर सरलता से टिकट ले सकेंगे। प्रयागराज जंक्शन पर 9, कानपुर सेन्ट्रल 7, अलीगढ़ जंक्शन 5, प्रयागराज छिवकी स्टेशन 3, फतेहपुर, कानपुर अनवरगंज, खुर्जा, फफूंद, टूंडला, दादरी स्टेशन, मिर्जापुर, विन्ध्याचल व शिकोहाबाद स्टेशन पर 2–2 क्यूआर कोड सुविधा दी गई है। इसी प्रकार गोविंदपुरी, चुनार, इटावा, झींझक, पनकीधाम स्टेशन, मानिकपुर, हाथरस, सिराथू, नैनी, नारायणपुर बाजार स्टेशन, पहाड़ा स्टेशन, कैलहट, जीवनाथपुर, गैपुरा, बिरोही, भीरपुर, जिगना, करछना, डगमगपुर, ऊंचडीह एवं झींगुरा स्टेशन पर 1–1 अनारक्षित टिकट काउंटर पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। वहीं दादरी स्टेशन पर 1 टिकट वितरण में क्यूआर कोड द्वारा यूपीआई ऐप के माध्यम से भुगतान की सुविधा दी गई है।

अतुल यादव ने संभाला वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यभार

प्रयागराज। अतुल यादव ने बुधवार को उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक गुड्स का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वह उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान

कार्यालय में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक योजना के पद पर कार्यरत थे। अतुल यादव 2011 बैच के आईआरटीएस अधिकारी हैं। उन्होंने स्नातक की शिक्षा ग्वालियर से ली है। उन्होंने 2012 में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में सहायक मण्डल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्य शुरू किया था। इसके बाद पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल में मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल में मण्डल परिचालन प्रबंधक गुड्स, झांसी मण्डल में मण्डल परिचालन प्रबंधक गुड्स, झांसी मण्डल में वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी के पद पर भी कार्य किया है।

छात्राओं को खून से लथपथ तड़पता देख भड़क गए ग्रामीण, डंपर में लगाईआग, एसीपी से तीखी नोकझोंक

प्रयागराज। मेजा में बेकाबू डंपर द्वारा छात्राओं को रौंदने के बाद मची चीखपुकार सुन मौके पर पहुंचे ग्रामीण खून से लथपथ छात्राओं को देखकर भड़क उठे। इसके बाद उन्होंने डंपर को आग के हवाले कर दिया। इंस्पेक्टर और दरोगा समझाते रह गए लेकिन ग्रामीणों ने एक न सुनी। उनमें चालक के मौके से भाग निकलने को लेकर भी

भारी आक्रोश था। बाद में उसे हिरासत में लिए जाने की जानकारी पर वह शांत हुए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद छात्राओं में चीखपुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और वहां पहुंचकर देखा कि एक छात्रा मृत पड़ी है। जबकि अन्य छात्राएं खून से लथपथ पड़ीं तड़प रही थीं। यह देख ग्रामीण भड़क उठे।वह डंपर की ओर बढ़ने लगे तो मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर मेजा व दरोगाओं ने उन्हें रोकने की कोशिश की। हालांकि, आक्रोशित लोगों ने उनकी एक न सुनी। तब तक मौके पर एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता भी पहुंच गए।उन्होंने समझाना चाहा तो भीड़ में शामिल लोगों ने पहले नोकझोंक और फिर धक्कामुक्की की। इसके बाद पुलिस देखती रह गई और भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पुलिस के सामने डंपर में आग लगा दी। पुलिसकर्मी पानी फेंकने लगे तो उन्हें रोक दिया। फायरब्रिगेड पहुंची तो उसे भी रोकने की कोशिश की। घटनास्थल के पास ही सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। बाद में बहुत समझाने पर शांत हुए। सड़क हादसे में डंपर के नीचे नौवीं की छात्रा सिमरन का हाथ दब गया। 36 मिनट की मशक्कत के बाद पुलिस छात्रा को निकाल सकी। पुलिस ने जैक लगाने के साथ ही उसे बाहर निकालने के लिए जेसीबी की भी मदद ली। इसके बाद छात्रा को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। इस मामले में पुलिस की चूक भी सामने आई। अगर समय रहते मौके पर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई होती तो शायद लोग आगजनी न कर पाते। पांच छात्राओं के डंपर की चपेट में आने की खबर पर न सिर्फ समहन बल्कि आसपास के गांवों के लोग भी जुटने लगे। मेजा थाने की फोर्स लेकर इंस्पेक्टर पहुंचे लेकिन लोगों की संख्या बहुत ज्यादा थी। बाद में कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची लेकिन तब तक डंपर में आग लगाने के साथ ही आक्रोशित भीड़ हाईवे भी जाम कर चुकी थी। आक्रोशित लोगों ने कई सवाल भी उठाए। उनका कहना था कि ओवरलोड वाहन मौत बनकर दौड़ते हैं। लगातार हादसे हो रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन चेत नहीं रहा है। सभी का एक ही सवाल था कि ओवरलोड ट्रकों का संचालन क्यों किया जा रहा है। जबकि स्कूल टाइम में ट्रकों के संचालन पर रोक लगाई गई है। आक्रोशित लोगों के सामने पुलिस असहाय महसूस कर रही थी।

' रेलमंत्री ने सवाई माधोपुर से इंद्रगढ़ सुमेरगंजमंडी तक अत्याधुनिक स्वदेशी संरक्षा प्रणाली कवच 4.0 का सफलतापूर्वक लोको ट्रायल किया '

जबलपुर । भारतीय रेल में मिशन रफ्तार के अंतर्गत नई तकनीक कवच प्रणाली की उपयोगिता से संरक्षा एवं सुरक्षा प्रणाली और ट्रेनों को स्पीड मिल रही है। इसी क्रम में 'माननीय केन्द्रीय मंत्री रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा 24 सितम्बर, 2024 को कोटा मंडल के सवाई माधोपुर से इंद्रगढ़ सुमेरगंजमंडी स्टेशन तक कवच सिस्टम का लोको से ट्रायल रन कर निरीक्षण किया।' इस दौरान रेल मंत्री जी ने लोको पायलटो के साथ संवाद किया एवं कवच 4.0 के बारे में सभी जानकारियां ली। इस ट्रायल रन के दौरान पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, उत्तर पश्चिम रेल के महाप्रबंधक श्री अमिताभ सहित पमरे के प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष, कोटा के मण्डल रेल प्रबन्धक एवं मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर(जीएसयू)ध्कोटा उपस्थित रहे। मिशन रफ्तार 160 किमी प्रति घंटा परियोजना के तहत नागदा–मथुरा खण्ड के मध्य कुल 545 किमी की दूरी 2665.14 करोड़ की लागत से कार्य त्तीव्र गति से किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में कवच की संरक्षा एवं सुरक्षा दृष्टिकोण से सबसे अहम भूमिका है। कवच वर्तमान रेल संचालन प्रणाली के ऊपर एक महत्वपूर्ण विश्वसनीय सुरक्षात्मक परत प्रदान करती है। इसके लागू होने के बाद हमें ट्रेन चालकों के द्वारा मानवीय भूल से सिग्नल को अनदेखा कर होने वाली सुरक्षा चूक की दुर्घटनाओं से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी। 'भारतीय रेल पर सर्वप्रथम पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा डिवीजन द्वारा 16 सितंबर, 2024 का कोटा–सवाई माधोपुर 108 किलोमीटर के खण्ड पर भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली कवच संस्करण 4.0 को स्थापित किया गया है।' भारतीय रेल ने अब एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो कम से कम समय में कवच संस्करण 4.0 से 108 किलोमीटर रेल ट्रैक पर स्थापित कर दिया है, तथा रेलवे सुरक्षा और परिचालन दक्षता के लिए नई जमीन तैयार की है। भारतीय रेल में बड़े गर्व कि बात है की कवच प्रणाली का लोको ट्रायल माननीय केन्द्रीय मंत्री रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा किया गया। 'इस कवच प्रणाली के निरीक्षण के दौरान सवाई माधोपुर–इंदरगढ़ सुमेरगंज मंडी सेक्शन (36 किमी) में कवच का निरीक्षण और लोको परीक्षण किया गया जिसके अंतर्गत समपार फाटक क्रमांक 148 पर ऑटो व्हिसलिंग, सवाई माधोपुर – कुशतला ब्लॉक सेक्शन में लोको ओवर स्पीड पर कवच कार्यप्रणाली की जॉच, रवांजना डूंगर स्टेशन के समीप रेड सिग्नल की स्थिति में सिग्नल पासिंग एट डेंजर रोकथाम परीक्षण, अमली स्टेशन के समीप 120 कि.मी. प्रतिघंटा के स्थाई गति प्रतिबन्ध की निगरानी एवं इंदरगढ़ स्टेशन के एप्रोच पर लूप लाइन स्पीड कंट्रोल टेस्ट एवं उक्त रेल खण्ड के सभी सिग्नलों को लोको कवच स्क्रीन पर निरंतर अवलोकन करने का परीक्षण किया'।

'इस प्रणाली की विशेषताएंरू–' कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा एवं ट्रेनों के टकराव रोकने की क्षमता प्रदान करता है। सिग्नल पासिंग एट डेंजर स्थिति को रोकता है और आवश्यकतानुसार स्वचालित गति प्रतिबंध लागू करता है। आमने–सामने, पीछे से और साइड से टकराव की स्थिति में ट्रेनों का स्वचालित रूप से पता लगाता है और रोकता है। लोको पायलट को इन–कैब सिग्नलिंग प्रदान करता है, जिससे कोहरे में ट्रेन संचालन संभव होता है।

'कवच द्वारा स्पीड नियंत्रणरू–' यदि ट्रेन की गति अनुमत सीमा से 2 किमीध्घंटा से अधिक है, तो कवच सिस्टम द्वारा ओवर स्पीड अलार्म जारी होगा। अगर ट्रेन की गति अनुमत सीमा से 5 किमीध्घंटा अधिक है, तो सामान्य ब्रेकिंग होगा। यदि ट्रेन की गति अनुमत सीमा से 7 किमीध्घंटा अधिक है, तो पूर्ण ब्रेक लागू होगा। अगर ट्रेन की गति अनुमत सीमा से 9 किमीध्घंटा अधिक है, तो आपातकालीन ब्रेक लागू होगा।

'लोको कवच यूनिटरू–' लोको में कवच सिस्टम का दिल ड्राईवर मशीन इंटरफेस है। ड्राइवर मशीन इंटरफेस के मुख्य कार्य सिग्नलिंग जानकारी प्रदर्शित करना, स्पीड और ब्रेकिंग स्थिति दिखाना, सिग्नल पासिंग एट डेंजर की रोकथाम आपातकालीन संदेश भेजने की सुविधा है।

'कवच के लाभ'

सुरक्षा में वृद्धिरू ट्रेनों की गति को नियंत्रित करके दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना।सटीकतारू ट्रेन संचालन में सटीकता और समयपालन सुनिश्चित करना।

'NGIT इंस्टिट्यूट ने गुफरान खान को किया साम्मानित'

प्रयागराज।रसूलाबाद मे छळप्ज इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर जावेद सिद्दीकी ने जर्नलिस्ट व सोशल एक्टिविस्ट्स गुफरान खान को मोमेंटो देकर प्रतिभा सम्मान से साम्मानित किया.ड3 कोर्स कर रहे स्टूडेंट्स को समाजसेवा निस्वार्थ भाव से करने व कैसे करने की बात करते हुये आपने बारे मे पत्रकार व सोशल एक्टिविस्ट्स गुफरान खान ने बताया, पंछियो के संरक्षण के साथ साथ स्वछता अभियान व पेड़ लगाव पेड़ बचाव अभियान और वोटिंग अवेयरनेस के साथ साथ बहुत सारे समाजिक कामों के बारे मे बताया जिससे स्टूडेंट्स बहुत प्रभावित हुयेसजावेद सिद्दीकी NGIT इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर के साथ प्रोग्राम मे NGIT के टीचर्स और पूरा स्टाफ शामिल था।

आरेडिका में स्वच्छता अभियान 4.0 के तहत घर-घर स्वच्छता रैली

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान 4.0 को सफल बनाने एवं जन भागीदारी को बढ़ाने हेतु दिनांक –24.09.2024 को प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव के नेतृत्व में टाइप–2, टाइप–3 एवं टाइप–4 कॉलोनियों में घर–घर रैली निकाल कर बड़ी संख्या में लोगों को इस अभिनव अभियान से जोड़ने के लिए एक सराहनीय पहल की गई। इस अभियान को सफल बनाने के लिए आरेडिका ने कॉलोनी परिसर में सहायक अधिशासी अभियंताध्टी एस, सहायक अभियंताध्वर्कशॉप एवं सहायक अधिशासी अभियंताध्पी एण्ड डी के अधीन तीन टीमों का गठन किया गया। तीनों टीमों ने घर–घर जाकर लोगों को स्वच्छता ही सेवा मुहिम के बारे में जानकारी दी कि हमें अपने आस–पास के वातावरण को साफ–सुथरा रखने के लिए प्रयास करना चाहिए। यह विचार हमें अपने समाज में सेवा की भावना विकसित करने में मदद करता है। स्वच्छता ही सेवा है अभियान के तहत अपने आस–पास के पार्कों एवं सड़को को साफ रखने, वृक्षारोपण तथा जल का संरक्षण, कचरें को इधर–उधर न डालकर घर–घर कूड़ा एकत्रित करने वाली गाड़ियों में सूखे एवं गीले कूड़े को अलग–2 कर के डालने एवं पॉलीथीन का प्रयोग न करने एवं सामान लाने के लिए जूट या कपड़े के थैले का प्रयोग करने हेतु जागरूक किया। आज के इस कार्यक्रम के तहत लगभग 1500 रेलवे आवास धारको एवं उनके परिवारों से मिलकर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया जिसमें लगभग 2000 लोग सहभागी बने।

मासिक सम्मान कार्यक्रम एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज।साहित्यांजलि प्रकाशन द्वारा वरिष्ठ कवि इंजि0 उमेश शर्मा के आवास पर वरिष्ठ एडवोकेट डॉ0 बालकृष्ण

पाण्डेय की अध्यक्षता में मासिक सम्मान कार्यक्रम एवं काव्य–गोष्ठी का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि जनकवि प्रकाश ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।वरिष्ठ कवि उमेश शर्मा एवं जया श्रीवास्तव को अंग–वस्त्र एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।वरिष्ठ कवि योगेन्द्र कुमार मिश्र ने ष्मां शारदे ऐसा वर दे मैं अमरजीत गीत हो जाऊँ।मैं सबकी प्रीत हो जाऊँ,मैं सबका मीत हो जाऊँ।ष् शब्दों से सरस्वती वंदना की।अन्य प्रतिभागी कवि हृदय नारायण पांडेय श्अनजानश,रंजन पाण्डेय,डा0 अजय मिश्र,नीतू शर्मा एवं विवेक सुमन शर्मा थे।कार्यक्रम का संचालन साहित्यांजलि प्रकाशन के मुख्य संपादक एवं भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डा0 भगवान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

'पूर्वाशा हिन्दी अकादमी, जोरहाट में हिन्दी पखवाड़ा संपन्न'

जोरहाट,असमरू। असम राज्य के जोरहाट जिले के हिंदी भाषा व साहित्यिक प्रचार – प्रसार में लगे पूर्वाशा हिन्दी अकादमी ने 14 सितंबर हिन्दी दिवस से आरंभ हो कर दो सप्ताह तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। 14 सितंबर को संस्थापिका अध्यक्ष रूनु बरूवा जी, निलाक्षी शर्मा जी और अरुणिमा दत्ता जी ने ऑल इंडिया रेडियो के जोरहाट स्टेशन में जाकर हिंदी भाषा पर चर्चा प्रस्तुत की। उसी दिन रेडियो पर इसका प्रसारण हुआ। 14 सितंबर को ही पटल पर ऑनलाइन कवि सम्मेलन आयोजित किया गया इसमें अधिकतर सदस्यों ने भाग लेकर अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया।

20 सितंबर को उपाध्यक्ष ममता गिनोड़िया जी और सचिव जयश्री शर्मा ने पूर्वाशा के सदस्यों के साथ नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डिजाइन, जोरहाट के पुस्तकालय में जाकर वहां स्वरचित पुस्तकें तथा सांझा संकलन भेंट किये। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. तन्मय सभापंडित व कार्यवाहक निदेशक डॉ. दीपांक बरूवा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस वर्ष वहां हिंदी की ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों की पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है और उसमें पूर्वाशा के लेखकों की पुस्तकों को भी स्थान मिला है, यह देखकर प्रसन्नता हुई। वहां की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी दुलमोणि कलिता से भी भेंट कर हिन्दी के प्रचार व प्रसार के बारे में चर्चा करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम संस्थान की हिंदी अनुवादक मृगाक्षी शर्मा के सहयोग से संपन्न हुआ।23 सितंबर को जोरहाट के निस्ट परिसर में राजभाषा हिन्दी सप्ताह का कार्यक्रम पूर्वाशा अकादमी के संयुक्त तत्पावधान में आयोजित किया गया, जहां अकादमी की अध्यक्ष रूनु बरूवा जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। हमारे मार्गदर्शक व निस्ट के हिन्दी विभाग के मुख्य अधिकारी श्री अजय कुमार जी ने इस शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया। पूर्वाशा के कई सदस्यों ने इसमें अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सभा का आरंभ श्री अजय कुमार जी के स्वागत संबोधन से हुआ निस्ट के निदेशक डॉ. वी.एम. तिवारी जी व अध्यक्ष रूनू बरुवा जी ने मंच पर आसन ग्रहण किया। फुलाम गामोसा व स्मृति चिन्ह दे कर उनका सम्मान किया गया। तत्पश्चात् अजय कुमार जी ने गृहमंत्री अमित शाह का संदेश पढ़कर सुनाया और डॉक्टर तिवारी जी द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई गई। रूनु बरूवा जी के संबोधन के पश्चात् तीन हिंदीतर विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में उच्चतम अंक लाने हेतु पूर्वाशा अकादमी द्वारा नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। इन विद्यार्थियों के नाम है –

प्रथम स्थान – ऋतुपर्णा गोस्वामी

द्वितीय स्थान –अंकिता बोरा

तृतीय स्थान – ऋषिराज गोगोई तत्पश्चात् सचिव जयश्री शर्मा द्वारा पूर्वाशा अकादमी द्वारा किये गए कार्यों पर संक्षेप में प्रकाश डाला गया और रूनु बरूवा जी, जयश्री शर्मा, कांति करनानी जी और शमा जैन द्वारा स्वरचित रचनाओं का काव्य पाठ किया गया। इसके पश्चात् डा. तिवारी जी द्वारा शानदार व मननयोग्य संबोधन प्रस्तुत किया गया धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के पश्चात् सभा की समाप्ति हुई।इस प्रकार पूर्वाशा अकादमी द्वारा सफलतापूर्वक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

ए0आर0टी0ओ (प्रवर्तन) प्रतापगढ़ के विरूद्व होगी विभागीय कार्रवाई-परिवहन आयुक्त

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा स्कूली वाहन संख्या यूपी 72टी 2005 जोकि स्कूली बच्चों को घर छोड़ने जा रही थी, के वाहन प्रपत्र वैध न होने के कारण अत्यधिक समय तक रोक कर रखा गया। परिवहन आयुक्त चंद्रभूषण सिंह द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुए संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रयागराज से आख्या मांग कर संबंधित सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा रही है। परिवहन आयुक्त ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा हाल ही में जनपद चित्रकूट में घटित घटना के संदर्भ में अत्यंत ही आक्रोश व्यक्त किया गया था और निर्देश दिए थे कि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति भविष्य में ना हो। प्रतापगढ़ के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी का उक्त कार्य संवेदनहीनता का परिचायक है। उन्होंने बताया कि शासन एवं मुख्यालय स्तर से समय–समय पर आयोजित बैठकों में निर्देश निर्गत किए जाते हैं कि स्कूली वाहनों में यदि बच्चे बैठे हैं तो बच्चों को गंतव्य स्थान पर पहुंचा कर ही वाहन के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। परिवहन आयुक्त ने बताया कि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा बच्चों सहित स्कूली वाहन को रोक कर रखा गया। उनका यह कृत्य कार्यदायित्वों के निवर्हन में लापहरवाही को परिलक्षित करता है। उन्होंने समस्त संभागीय परिवहन अधिकारीयों को निर्देश दिये कि भविष्य में इस बात का ध्यान रखा जाये कि स्कूली वाहनों में बैठे बच्चों को गंतव्य स्थान मे छोड़ने के उपरांत ही वाहनों को निरूद्ध करने की कार्यवाही की जाए।

स्वास्थ्य शिविर में बीमारियों से बचने की दी जानकारी

नैनी, प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चलाये जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत नैनी में

स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमें लोगों को डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से बचने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। क्षेत्रीय सभासद के सहयोग से आयोजित शिविर में आये मरीजों का परीक्षण कर दवाएं वितरित की गई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ एम्बेड की जिला कोआर्डिनेटर सीमा पाण्डेय, सुचित, प्रियंका, आयुषी, प्रीति आदि मौजूद रहे।

प्रभावशाली बिल्डर के दबाव में एलडीए की सीलिंग कार्यवाही पर लगी रोक

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की मिलीभगत से प्रवर्तन जोन–7 के चौक क्षेत्र गोल दरवाजे के पास बेसमेंट सहित व्यवसायिक मार्केट का निर्माण किया जा रहा है। यह निर्माण पूरी तरह से अवैध है और लखनऊ विकास प्राधिकरण के नियमों और कानूनों का उल्लंघन करता है। एलडीए की नाकामी,प्रभावशाली बिल्डर के आगे घुटने टेके,मालूम हुआ कि लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव द्वारा चौक दरवाजे स्थित अवैध निर्माण को सील करने की कोशिश विफल हो गई। प्रभावशाली बिल्डर के दबाव के कारण एलडीए अधिकारी बौने साबित हुए और उन्हें वापस लौटना पड़ा। अवैध निर्माण पर सीलिंग की कार्यवाही पर रोक लगने की यह घटना लखनऊ विकास प्राधिकरण की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाती है। एलडीए अधिकारियों की नाकामी से अवैध निर्माणों को बढ़ावा मिल रहा है।

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज सजगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में राजभाषा एवं मातृ भाषा समिति द्वारा लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता का संचालन डॉ नम्रता देब ने किया एवं निर्णयक की भूमिका में शिक्षा शास्त्र विभाग की प्रो० काजल देब और प्राचीन इतिहास विभाग की प्रो० मीनाश्री यादव रहीं ।

एकल लोकगीत प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की खुशी शुक्ला अव्वल रहीं। दूसरे स्थान पर एम ए की गरिमा मिश्रा एवं तृतीय स्थान पर बी ए द्वितीय वर्ष की अनन्या प्रजापति रहीं।

समूह लोकगीत में भाग लेने वाली छात्राओं अर्पिता यादव, खुशी शुक्ला और कीर्ति ने मनमोहक प्रस्तुति दी।

प्राचार्या आशिमा घोष ने छात्राओं का प्रोत्साहन करते हुए कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहने का निरंतर प्रयत्न करते रहना चाहिए. धन्यवाद ज्ञापन समिति की प्रभारी प्रो० रतन कुमारी वर्मा ने किया.

प्रो नंदिनी मुखर्जी, डॉ माधुरी राठौड़, डॉ० शालिनी सिंह, डॉ० ऐश्वर्य सिंह, डॉ० प्रमा द्विवेदी, डॉ० फातिमा नूरी आदि शिक्षक गण और अन्य छात्राओं ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सुशोभित किया।

भयहरण नाथ धाम में हर मंगलवार को कढी व चावल का सामूहिक प्रसाद

प्रतापगढ़ । प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से गत ३ सप्ताह से निरंतर प्रत्येक मंगलवार मेले में प्रशासनिक कार्यालय के सामने कढी व चावल का सामूहिक प्रसाद भक्तो व श्रद्धालुओ व पर्यटको को वितरित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव

सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया की धाम के नियमित भक्तो का समूह पूर्व उपाध्यक्ष प्रशासन एवं संरक्षक विवेक सिंह चौहान व कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज के संयोजन में उक्त कार्य को सभी के सामूहिक सहयोग से किया जा रहा है। श्री श्री रवि शंकर ज्ञान मन्दिर स्थित प्रबन्ध समिति के प्रशासनिक कार्यालय के सामने प्रत्येक मंगलवार को कढी व चावल का प्रसाद वितरण हो रहा है। जिससे प्रबन्ध समिति व क्षेत्र के प्रबुद्ध समाज का बहुप्रतिक्षित कार्य संपन्न हो पा रहा है। आगे योजना है की कभी छोला चावल या राजमा चावल आदि को भी प्रसाद रूप में जोड़ा जायेगा। इस कार्य में मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित धाम की प्रबन्ध व व्यवस्था समिति से जुड़े कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, रामू तिवारी, प्रदीप सिंह धोनू, शत्रुघ्न सिंह, प्रशांत सिंह, मोनू सिंह, तेज प्रताप सिंह, सूर्य मणि दूबे, डॉ पी एन मिश्र, शैलेंद्र सिंह, विवेक सिंह व कमलेश कांत द्विवेदी आदि सहयोग प्रदान कर रहे है।

पानी की किल्लत से स्थानीय लोग परेशान जल निगम और नगर निगम की विफलता

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जल संकट गहरा रहा है। अलीगंज के पांडे टोला में निवासी पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। जल निगम और नगर निगम की लापरवाही और उदासीनता के कारण पिछले 4 महीनों से पानी की समस्या बनी हुई है। नगर निगम के टैंकर से गंदा पानी सप्लाई हो रहा है, जिससे कई बच्चे बीमार हुए हैं और कुछ की मौत भी हो गई है। स्थानीय निवासियों ने जल निगम और नगर निगम के अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। स्थानीय निवासी रोहन सिंह ने बताया की पानी की किल्लत के कारण हमें बहुत परेशानी हो रही है। हमें पीने के लिए साफ पानी नहीं मिल पा रहा है। हमने कई बार अधिकारियों से शिकायत की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इस मामले में जल निगम और नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही और उदासीनता का आरोप लगाया जा रहा है। यह जल निगम और नगर निगम के अधिकारियों की बड़ी विफलता है, स्थानीय निवासी शैलेंद्र कुमार ने कहा। वे अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे हैं। हमें न्याय चाहिए। इस मामले में जल निगम और नगर निगम के अधिकारियों से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की।

विकसित राष्ट्रों की तर्ज पर प्रदेश में फार्मेसिस्टो की भूमिका बढ़ाने के लिए करेंगे प्रयास : अपर्णा यादव

लखनऊ, एजेंसी। विकसित राष्ट्रों की तर्ज पर प्रदेश में फार्मेसिस्टो की भूमिका बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रयास करेगी, जल्द ही पूरी रूपरेखा बनाकर माननीय मुख्यमंत्री से वार्ता करूंगी। आज विश्व फार्मेसिस्ट दिवस के अवसर फार्मेसिस्ट फेडरेशन एवं खुशी फॉउण्डेशन द्वारा मेदांता हॉस्पिटल में आयोजित वैज्ञानिक सेमिनार को संबोधित करते हुए राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने उक्त बाते कहीं। उन्होंने कहा कि फार्मेसिस्ट के जिम्मे समाज को स्वस्थ रखने की बड़ी जिम्मेदारी है जो वो पूरी तरह निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फार्मेसिस्ट को फार्मेसी अधिकारी पदनाम दिलाने, आयुष्मान आरोग्य मंदिर में फार्मेसिस्ट की नियुक्ति का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला आयोग फार्मेसिस्ट फेडरेशन के साथ मिलकर ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य रक्षा, और दवा के प्रतिकूल प्रभाव को रिपोर्ट करने की संस्कृति विकसित की जायेगी। खुशी फॉउण्डेशन से ऋचा द्विवेदी ने विश्व फार्मेसिस्ट दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुनियाभर में आज का दिन फार्मासिस्ट डे के रूप में मनाया जा रहा है। यह दिन हर साल 25 सितंबर को मनाया जाता है। इसे मनाने का मकसद दुनियाभर के फार्मासिस्ट्स के मेडिकल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालता है। बात करें इस साल की थीम की, तो इस साल फार्मासिस्ट डे की थीम "चैंतउंबपेजेरू डममजपदह हसवइंस ीमंसजी दममके" तय की गई है। उन्होंने कहा कि मरीजों को सही सलाह देने से लेकर उनका सही इलाज करने तक और उनके लिए दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तक, फार्मासिस्ट समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैज्ञानिक सेमिनार में किडनी के विशेषज्ञ डॉक्टर मनमीत सिंह ने कहा कि 50 वर्ष की उम्र के बाद सभी पुरुषों को प्रतिवर्ष अल्ट्रासाउंड और पी एस ए की जांच करानी चाहिए जिससे कैंसर को रोका जा सकता है।

सम्पादकीय.....

बाल अस्मिता की रक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर साबित किया कि उसे सुप्रीम क्यों कहा जाता है। सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए कोर्ट ने साफ कर दिया कि बच्चों से जुड़ी अश्लील फिल्मों को डाउनलोड करना, स्टोर करना, देखना व प्रसारित करना पॉक्सो व आईटी एक्ट के अंतर्गत अपराध है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच के सदस्यों न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला व न्यायमूर्ति मनोज मिश्र ने देश को साफ संदेश दे दिया कि बच्चों पर बने अश्लील कंटेंट की स्टोरेज करना, डिलीट न करना तथा इसकी शिकायत न करना, इस बात का संकेत है कि उसे प्रसारित करने की नीयत से स्टोर किया गया है। साथ ही मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया, जिसमें कहा गया था ऐसे कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना अपराध नहीं है, जब तक कि इसे प्रसारित करने की नीयत न हो। शीर्ष अदालत ने उस फैसले को रद्द करके केस वापस सेशन कोर्ट को भेज दिया। इतना ही नहीं शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द को हटाकर इसकी जगह चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लोएटेटिव एवं एब्यूसिव मैटेरियल शब्द का प्रयोग किया जाए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह अध्यादेश लाकर इसमें बदलाव करे। यहां तक कि अदालतें भी इस शब्द का प्रयोग न करें। साथ ही पॉक्सो एक्ट में इस शब्द को लेकर बदलाव किया जाए। कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसले में दलील दी कि नया शब्द ठीक से बताएगा कि यह महज अश्लील सामग्री ही नहीं है, बच्चे के साथ हुई वीभत्स घटना का एक रिकॉर्ड भी है। वह घटना जिसमें बच्चे का यौन शोषण हुआ है। या फिर ऐसे शोषण को वीडियो में दर्शाया गया है। अदालत ने गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यौन शोषण के बाद पीड़ित बच्चों के वीडियो, फोटोग्राफ और रिकॉर्डिंग के जरिये शोषण की शृंखला आगे चलती है। दुर्भाग्य से यह सामग्री इंटरनेट पर मौजूद रहती है। दरअसल, कोर्ट ने व्याख्या की कि ऐसी सामग्री से बच्चों का निरंतर भयादोहन किया जाता है। यह सामग्री लंबे समय तक बच्चों को नुकसान पहुंचाती है। जब इस तरह की सामग्री प्रसारित की जाती है तो पीड़ित बच्चे की मर्यादा का बार–बार उल्लंघन होता है। मौलिक अधिकारों का हनन होता है। समाज के एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमारी भूमिका ऐसी यौन कुंठित मानसिकता का प्रतिकार करने की होनी चाहिए। यह कृत्य समाज में नैतिक पतन की पराकाष्ठा को भी दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष सितंबर माह में केरल हाईकोर्ट ने भी अपने एक फैसले में अश्लील फोटो–वीडियो देखने को अपराध नहीं माना था। लेकिन इसे प्रसारित करने को गैरकानूनी माना था। इसी फैसले के आलोक में मद्रास हाईकोर्ट ने एक आरोपी को अपराधमुक्त किया था। इस फैसले के खिलाफ फरीदाबाद के स्वयं सेवी संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस और बाल अधिकारों के लिये सक्रिय नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित संगठन बचपन बचाओ आंदोलन ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर करके कोर्ट का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर खींचा था। इन संगठनों का मानना था कि मद्रास हाइकोर्ट के फैसले से लोगों में कानून का भय खत्म हो जाएगा और चाइल्ड पोर्नोग्राफी को बढ़ावा मिलेगा।

काव्य-मंच पर शिष्टाचार के पक्षधर थे- देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव देवेश

डॉ०प्रदीप चित्रांशी

प्रयागराज। कोई भी प्रतिष्ठित और वयोवृद्ध रचनाकार जो अपने समय का स्वर रहा हो,उसके अचानक अलविदा कहकर निकल जाने पर भी देर तक खघमोशी पसरी रहे तो साहित्य का आत्मसात कर चुकी कलम कसमसाती भी है तथा साहित्यकार को निहारती भी है। यही कसमसाहट दैनिक और साप्ताहिक समाचार–पत्र श्शहर समताश के संपादक एवं वरिष्ठ कथाकार उमेश श्रीवास्तव तथा गीतकार,समीक्षक प्रोफेसर रवि कुमार मिश्र के हृदय को उद्वेलित करती रही कि शहर के चर्चित गीतकार, मंच संयोजक, श्शलभ साहित्यिक मंचश के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव श्देवेश श के चले जाने के बाद इन दोनों में दिखी, जब इन लोगों ने मेरे पास फोन किया। देवेश जी के साहित्यिक जीवन पर घंटो सकारात्मक चर्चा हुई, चर्चा के दौरान रवि जी की आँखें कई बार नम हुईं ,ऐसा उनकी आवाज से प्रतीत होता था। वार्ता के दरमियान देवेश जी के साथ गुजारे गए पल को याद करते हुए उमेश जी ने कहा कि देवेश जी के घर पर आयोजित कवि–गोष्ठियों में जाने का अवसर प्राप्त होता था। गोष्ठियों का संचालन देवेश जी स्वयं करते थे तथा कविता–पाठ के दौरान कवि की कविताओं को सुनकर उस पर निष्पक्ष और सटीक विश्लेषण करते हुए युवा रचनाकार को प्रोत्साहित भी करते तथा वरिष्ठ रचनाकार की श्रेष्ठ रचनाओं की तारीफ भी भेदभाव के बगैर मुक्त कण्ठ से करते थे। श्शहर समताश के कार्यालय में भी यदा–कदा उनका आना और शहर की साहित्यिक गतिविधियों पर चर्चा करना, उनकी साहित्यिक अभिरुचि का एक हिस्सा था। उनके साथ बिताए हुए स्वर्णिम पल बहुत हैं , उन्हीं पलों को साझा करते हुए उमेश जी ने कहा कि होली के आसपास प्रदीप भइया के साथ उनके घर जाना हुआ।उस समय वह अस्वस्थ थे लेकिन घर के अन्दर धीरे–धीरे चल सकते थे। उस दिन ड्राइंग रूम में न बैठकर हम लोग उनके साथ रसोईघर के सामने डाइनिंग टेबल पर बैठे, वहीं पर चाय पी गई तथा श्शहर–समताश के विशेषांक के लिए उनसे कुछ रचनाएँ माँगी। अस्वस्थता के कारण तत्काल रचना देने में वह असमर्थ रहे।स्वस्थ होने पर रचना देने का वादा किया था लेकिन नहीं दे सके क्योंकि उनकी बीमारी ही हमेशा दीवार बनकर खड़ी रही। प्रोफेसर (डॉ०) रवि कुमार मिश्र ने देवेश जी के साथ साझा किए गए पलों की दास्ताँ कुछ इस तरह सुनाई –– देवेश जी से इनका प्रथम परिचय प्रकृति संरक्षण मंच श्साहित्यांजलि प्रज्योदिश के साहित्यिक कार्यक्रम में हुई थी। देवेश जी उस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे और वह कवि। उनकी यह मुलाकात बस एक औपचारिक मुलाकात थी लेकिन उस औपचारिक मुलाकात के बाद रवि जी से उनकी मुलाकात शहर की अन्य कई साहित्यिक गोष्ठियों में होती रही, जिसका परिणाम यह रहा कि देवेश जी धीरे–धीरे रवि जी की रचनाओं के प्रशंसक भी हो गए। एक बार साहित्यिक मंच पर चल रही साहित्यिक गोष्ठी के संदर्भ में रवि जी बोल रहे थे और देवेश जी ,विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद वह खुद रवि जी के पास आए और रवि जी के वक्तव्य की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि कम ही वक्ता हैं,जो जिस विषय पर बोलना है, उसकी गहराई को परखकर,उसकी आत्मा से सामने वाले श्रोता का बाखूबी परिचय करा देते हैं ,कहकर गले लगाया और ढेरों आशीर्वाद दिया। लम्बी वार्ता में देवेश जी के संदर्भ में रवि जी ने उनके जीवन के एक ऐसे पक्ष को उजागर किया जिसे देवेश जी के जानने वाले उनके जीवन का नकारात्मक पक्ष बताते हैं । किस्सा कुछ इस प्रकार है कि देवेश जी हर किसी को फोन पर मिस कॉल दिया करते थे। कॉल बैक होने पर वह लम्बी वार्ता करते थे। उसी बात को रवि जी ने कुछ इस तरह कहा कि किसी इन्सान के बारे में आखध्रिी राय बनाने का हक हमें आगे बढ़कर अपने हाथों में बिलकुल नहीं लेना चाहिए। देवेश जी साहित्य–सेवा के साथ–साथ साफ–सुथरी छवि वाले नौकरशाह भी थे इसीलिए उन्हें समय का मूल्य मालूम था। अवकाश प्राप्त करने के पश्चात उनके द्वारा मिस कॉल देने के पीछे आशय था कि वक्त कीमती है, जिसके पास समय होगा वह व्यक्ति खुद ही फोन करेगा। उनकी इस सोच को कोई और आवरण पहनाना उचित नहीं है।

रवि और उमेश जी से मोबाइल पर बातचीत के बाद मेरे जेहन में देवेश जी से मुलाकात की वह तस्वीर उभरने लगी जो मेरी उनसे अन्तिम मुलाकात बन गई। उस मुलाकात में देवेश जी की आवाज में वह खध्नक नहीं दिखाई दी जो पूर्व की मुलाकातों में दिखाई देता था लेकिन अस्वस्थ होने पर भी उन्होंने बैठने के लिए कहा। बैठने के पश्चात देवेश जी से मैं उनका हालचाल पूछ ही रहा था कि उसी समय उनकी पत्नी चाय लेकर आ गईं। चाय पीते–पीते देवेश जी ने शहर की साहित्यिक गतिविधियों पर चर्चा करते हुए अपने युवाकाल की कुछ काव्य–गोष्ठियों के विषय में बताया जो बहुआयामी और सारगर्भित होती थीं। बातचीत के दौरान ही कमजोर शरीर होने के कारण उन्हें बोलने में दिक्कत हो रही थी लेकिन वह रुकने को तैयार नहीं थे। शायद उन्हें यह आभास हो गया था कि वह अपने शरीर में कुछ ही दिन के मेहमान हैं। उन्होंने अपनी वाणी को थोड़ी देर विश्राम देकर, दो रचनाएँ जीवन की नश्वरता पर सुनाईं तथा मृत्यु की अनिवार्यता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि देखो अब यह शरीर अधिक दिन तक चलने वाला नहीं है। देवेश जी के आवास पर आए हुए मुझे लगभग दो घण्टे हो गए थे इसीलिए मैंने उनसे जाने की इजाजत माँगी। उन्होंने कहा कि ठीक है लेकिन आते रहना क्योंकि साँसे भी शायद अब विश्राम करना चाहती हैं। मैंने उनसे शीध्र ही मिलने का वादा किया।

पारिवारिक व्यस्तता के कारण मैं देवेश जी मिलने जा नहीं पाया,दीपावली से कुछ दिन पहले मैंने फोन किया था मगर दूसरी तरफ से कोई रेस्पांस नहीं आया। दीपावली के बाद पत्नी के पैर में फ्रैक्चर हो जाने के कारण उन्हें अस्पताल में लम्बे समय के लिए भर्ती करना पड़ा। इसी दरमियान कवयित्री मीरा सिन्हा ने मुझे फोन किया। उन्होंने बताया कि देवेश जी के घर पर फोन करने पर पता चला कि दो–तीन दिन पहले ही वह अनंत यात्रा पर चले गए। देर से मिली सूचना के कारण साहित्यकार उनकी अन्तिम यात्रा में शामिल नहीं हो सके। देवेश जी का इस तरह से जाना साहित्य जगत से जुड़े लोगों के लिए दुखद स्थिति है या साहित्य के बाजारीकरण का जीता जागता नमूना ।

देवेश जी की याद आते ही उनके साथ बिताए गए पल किताब के पन्नों की तरह खुलते गए। बात सन् दो हजार आठ की है, देवेश जी के घर पर शलभ साहित्यिक मंच के द्वारा आयोजित काव्य–गोष्ठी थी। इस गोष्ठी में मुलाकात का वह एक हसीन किस्सा शामिल है जो मेरे और देवेश के परिचय की नीवँ है। बात उन दिनों की है जब मैं नौकरी के सिलसिले में मनकापुर में रहा करता था। वहीं पर श्साहित्यांजलिश साहित्यिक मंच के तत्त्वावधान में अपने निज निवास पर ही गोष्ठियाँ आयोजित करता था। संस्था के विस्तार हेतु मैं इस संस्था के तत्त्वावधान में इलाहाबाद जनपद में काव्य–गोष्ठी आयोजित करने के लिए सोच रहा था।इसी सिलसिले में मैंने कवि सुरेश श्रीवास्तव जी से बात की। उन्होंने कहा कि वह गोष्ठियाँ आयोजित करवा देंगे मगर मुझको इलाहाबाद आना होगा। इलाहाबाद आने पर पहली बार उन्हीं के साथ देवेश जी के घर पर जाना हुआ। उस दिन देवेश जी के घर पर श्शलभ साहित्यिक मंच श के तत्त्वावध ाान मे काव्य–गोष्ठी आयोजित थी। सुरेश जी ने मेरा परिचय देवेश जी से करवाया। देवेश जी ने मेरा स्वागत करते हुए,कवि–गोष्ठी में शामिल होने के लिए अनुरोध भी किया। उन्होंने मेरा परिचय देते हुए मुझे कविता–पाठ करने के लिए आमंत्रित किया। कवि–गोष्ठी के बाद जब, सब लोग चले गए,तब सुरेश जी ने मेरे आने का प्रयोजन बताया। देवेश जी ने मुझसे पूछा कि मैं रहता कहाँ हूँ। पता जानने के बाद उन्होंने कहा कि वही पर मेरे मित्र बजरंग नारायण रहते हैं। क्या आप उनको जानते है? हूँ। मैंने देवेश जी से कहा कि मैं बजरंग जी का पुत्र हूँ। यह जानकर वह बहुत खुश हुए। उन्होंने मेरे लिए दुबारा चाय मंगवाई और चाय पीते–पीते कई विषयों पर उनसे चर्चा हुई। चाय खत्म होने के बाद उनसे इजाजत लेकर,सुरेश जी के साथ मैं अपने घर वापस आ गया। यह पहली मुलाकात उनकी अन्तिम साँसों से कुछ दिन पूर्व तक नियमित होती रही। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ कि उन्होंने अन्तिम साँस कब ली,मुझे पता नहीं चला।

देवेश जी के व्यक्तित्व में इतना आकर्षण और शब्दों में सम्मोहन था कि एक बार जो भी उनसे मिलता वह उन्हीं का होकर रह जाता था। काव्य गोष्ठियों के संदर्भ में उन्होंने श्शलभश साहित्यिक मंचश को वह ऊंचाई दी जहाँ तक अन्य साहित्यिक संस्था का पहुँचना आसान नहीं है। यह कहना कि देवेश जी और श्शलभश एक दूसरे के पर्याय थे,अतिशयोक्ति नहीं है, क्योंकि उनके अस्वस्थ हो जाने के बाद श्शलभश की कोई भी काव्य–गोष्ठी आयोजित नहीं हुई।

देवेश जी छन्दमुक्त रचनाओं के पक्षधर थे साथ ही साथ हाइकू भी लिखा करते थे। उन्होंने कभी कोई काव्य–संग्रह नहीं लिखा लेकिन पत्र–पत्रिकाओं में उनकी कविताएँ अक्सर छपती रहती थीं। देवेश जी कुछ हाइकू गाजियाबाद के महेश सक्सेना जी ने मेरे पास भेजा जो श्मानवाधिकार सत्ताश के अक्टूबर प्रथम पाक्षिक 2012 में प्रकाशित हुई थी।

1–वासंती हवा 2–आओ सनम
तन–तन मयूर टेर वसंत तुम्हें
स्वागत अहा।।

3– होली निगोड़ी। 4–मंहगे रंग
आ गई समय से। ललचाये गरीब
आए नहीं वो।। चढ़ाए होली।।

देवेश जी का रचना–संसार बहुत बड़ा दिखाई नहीं देता लेकिन छोटा भी नहीं था।

देवेश जी से साहित्यिक चर्चा के दौरान एकबार मैंने उनसे पूछा कि काव्य–गोष्ठी और कवि–सम्मेलन में क्या अन्तर है। उन्होंने कहा कि जो अन्तर नर्सरी और बाग में है वहीं अन्तर कवि–गोष्ठी और कवि–सम्मेलन में है। कवि–गोष्ठी कविता की नर्सरी है जहाँ युवा रचनाकार अनुशासन का पालन करते हुए वरिष्ठ कवियों की देखरेख में अपनी कविताओं का परिमार्जन करना सीखते हैं तथा बाग में हर वृक्ष जैसे अपने फूल–फल के द्वारा सबको आकर्षित करता है,उसी तरह से मंच पर परिपक्व कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं के मन में उपजे सवाल का उत्तर बन,उन्हें अपना बना लेते है। देवेश जी के संदर्भ में मुझे एक संस्मरण याद आ रहा है। देवयानी जी के पैतृक आवास पर गोष्ठी आयोजित होनी थी। देवयानी जी के मना करने पर भी उन्होंने उनसे संचालन करवाया और खुद गोष्ठी की अध्यक्षता की। अध्यक्षीय भाषण में देवयानी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि संचालन के लिए विषय की जानकारी, भाषा पर अधिकार, स्पष्टता तथा प्रवाहपूर्णता आवश्यक है। बात छोटी हो या बड़ी सबका उत्तर उनके पास रहता था। सच कहूँ तो किसी व्यक्ति का बुद्धिमान, ध्ानवान, सत्तावान, गुणवान होना एक बात है और प्रतिभावान व्यक्तित्त्व का होना दूसरी बात,जो देवेश जी थे।

'रेत में आकृतियाँ' कविता संग्रह में बनारस की सांस्कृतिक बुनाई की गई है : डॉ. विंध्याचल यादव

वाराणसी । आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभागार, हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के तत्वावधान में वाणी प्रकाशन समूह द्वारा सुप्रसिद्ध कवि, आलोचक व गद्यकार श्री प्रकाश शुक्ल की 'रेत में आकृतियाँ' कविता पुस्तक का लोकार्पण करते हुए इस पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। विश्विद्यालय के परंपरानुसार महामना मदनमोहन मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् संगीत कला संकाय की अलका,निवेदिता और खुशबू ने डॉ. शांति स्वरूप भटनागर द्वारा रचित कुलगीत 'मधुर मनोहर अतीव सुंदर, यह सर्वविद्या की राजध्ानी' का गायन किया।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए वाणी प्रकाशन की निदेशक अदिति माहेश्वरी गोयल कहती है कि वर्जीनिया वुल्फ जब अपनी प्रेस चलाया करती थी, उनका मानना था कि जब कोई पुस्तक नए संस्करण के लिए जाय तो वह एक तरह का नया पूंजी तो है ही लेकिन इसका भी प्रमाण है कि वह कृति पाठकों के बीच भ्रमण करते हुए अपने नए कलेवर को धारण करने हेतु तैयार है।

कविता समाज से जुड़कर ही पनपती है। एक मूर्तिकार जो रेत में आकृतियां बनाता है, वह बुद्ध के कितना नजदीक है। हम देख सकते है कि कवि ने किस तरह गंगा के किनारे की रेत को अपनी कृति में अमरत्व प्रदान किया।

रेत का होना नम होना है,
नम होना अंकुरित होना है,
अपने शुष्कता के खिलाफ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हिंदी विभागाध्यक्ष सुप्रसिद्ध गजलकार प्रोवशिष्ठ अनूप द्विवेदी ने कहा कि जिस तरह से जीवन मूल्य होते हैं उसी भांति साहित्य के मूल्य भी होते हैं। ये मूल्य परंपरा के सातत्य में चलते रहते हैं। समकालीन कवियों का अपने पूर्ववर्ती कवियों से सरोकार इसी सातत्य में होता है।

इन्होंने 'दाने' कविता का वाचन करते हुए बताया कि रेत नदी की रचना है। नदी रेत का उत्स हैय

रेत शान्त थी
दाने उछल रहे थे
जैसे–जैसे रेत डोलती थी
वैसे–वैसे दाने छलांग लगा रहे थे
एक समय ऐसा आया कि दाने शान्त हो गए थे
और रेत लाल हो गई थी।

'नदी' कविता
यह नदी थी
नदी भी क्या थी३३ यहां रेत में बहती नदी थी
नदी में बहता शहर था
शहर में बहती हवा थी
हवा में बहती गंध थी।३३

यह रेत की आवाज थी जिसमें चिल्हकती हुई नदी ने
अन्तिम रूप से अपनी नमी को बचाने की कोशिश की थी।

प्रतिष्ठित मूर्तिकार प्रो. मदनलाल ने बताया कि मैं रेत का कलाकार नहीं हूं। मैंने चाइना के एक समुद्र तट पर 2001 में पहली बार रेत में आकृतियाँ बनाई थी। मुझे मेरे गुरु राम छारपर और मित्रों ने प्रोत्साहित किया। आर्थिक तंगी की वजह से हमने एक जापानी से आर्थिक मदद ली थी। तब जाकर मैंने गंगा के तट पर आकृतियां बनाईं।इनकी कविताओं ने मेरी कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभारने का काम किया है। बिना जूनून के किसी भी कलाकार की कला, रचनाकार की रचना महान नहीं हो पाती है।

2002 में जर्मनी में रेत में आकृतियों का मेला लगा था। मैंने कई बार जापान की यात्रा की। रेत में आकृतियों की निर्मिति बड़े–बड़े पीड़ादायक घटनाओं से होती है। मैंने विदेशों में युद्धों को देखा

कि वहां छोटे–छोटे बच्चे हैं महिलाएं हैं बूढ़े हैं और बम गिराया जा रहा है। मैंने कहां हमारे देश में इस तरह के युद्ध नहीं होते हैं। यह रचना सौंदर्यात्मक पक्ष को लेकर लिखीं गई कृति नहीं है, जीवन के महान पीड़ादायक पक्षों को भी लेकर लिखीं गई हैं। चुनार के पत्थर मेरे जीवन के स्वर्ण साबित हुए। मैंने वहां जो आकृतियाँ निर्मित की वे मुझे विश्वतर पर ले गईं। आगामी दिनों में हम 'रेत में आकृतियाँ' पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन करेंगे।

प्रतिष्ठित आलोचक प्रो. कृष्णमोहन सिंह ने कहा कि इस कविता का बैकग्राउंड बहुत समृद्ध है। किसी रचनाकार, कवि या कलाकार के लिए उसका रचनाकर्म बहुत ही महत्वपूर्ण अनुभूति, संवेदना पैदा करने वाली होती है। बड़े लेखकों के रचनाकर्म में अनुभव कभी खुले और कभी छिपे ढंग से आते हैं। इनकी कविताओं में अनुभूति और अभिव्यक्ति का द्वंद है। यह रेत पर आकृतियां नहीं है रेत में आकृतियां हैं। उन रेखाओं के माध्यम से जिसे मदनलाल जैसे कलाकारों ने गढ़ा है

रचनाकर की एक शाश्वत पीड़ा है, शाश्वत विडंबना है कि जिस रूप में वह अनुभूत करता है उसे उस रूप में व्यक्त नहीं कर पाता है। कला के तीसरे क्षण तक आते–आते बहुत कुछ बदल जाता है।

'रेत में कलाकार' शीर्षक कविता छंद का भ्रम पैदा करती है लेकिन इसमें लय है।

बालू के कण साथ ले चलों उड़ जा हारिल की नाईं
सुबह हुई अब सपने छूटे, उठ जा हरकारे की ठाईं।

जैसे लगता है यह दोहा छंद में लिखी कविता है।

जग जीतो, सब लहरें गिन लो। लहरों का गिनना एक दंभ की तरह है लेकिन कवि ने इसे जो असंभव सा है उसे प्राप्त करने की जीवटता प्राप्त करने हेतु सकारात्मक पक्ष में गढ़ा है। पुराने कवियों की अनुगूंजे भी हैं इनकी कविताओं में।

'बेचैनी' शीर्षक कविता चुप्पी के बीच जब कोई बोलता है, कोई चीखता है तो व्यक्ति उसमें खुद की चीख को महसूस करता है। यह कवि की विशिष्टता होती है। यानि एक चीख अन्याय के खिलाफ समस्त चीखों का प्रतिनिधित्व कर रही है।

एक ऐसे समय में जहाँ सब चुप हैं
सब शान्त हैं
सब स्थिर हैं
एक बेचैन हो उठता है
बोल पड़ता है
और कसकर चिल्लाता है
यह इसी की चिल्लाहट है
जिसमें सब चुप्पी सुनते हैं
और चिल्लाने लगते हैं।

क्योंकि रेत होना बहना है, रेत के भीतर नदी मौजूद है, जब नदी ठहरेगी तो भी रेत में बहती रहेगी। गंगा नदी की सभ्यता एक रासायनिक कचरा बनकर खत्म हो जाएगी, यह जो भयानक दुस्वप्न है, कवि कहता है नदी खध्त्म हो जायेगी तो रेत में रहेगी नदी।

नदी के साजिश के खिलाफ पर्दाफाश करती हुई यह रेत है। राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी से आए प्रो. कमलेश वर्मा ने कहा कि एक युग के पश्चात् यह कविता दुबारा हमारे सामने आई है। 12 वर्ष बीत चुके हैं। रामायण में राम को 14 वर्ष का वनवास दिया गया था वहीं महाभारत में पांडवों को 12 वर्ष का अज्ञातवास दिया गया था। प्रारंभिक दौर में श्री प्रकाश शुक्ल बनारस को समझने की कोशिश कर रहे थे, अब बनारस से टकराने की कोशिश कर रहे हैं। इस किताब की कविताएं अपने दार्शनिक अंदाज के लिए याद की जायेंगी। यह कविता संग्रह एक विशाल रूपक गढ़ती है। जैसे बच्चन को केवल मस्ती का कवि कहने भर से काम नहीं चलेगा, बच्चन हस्ती के कवि भी हैं। 'रेत में आकृतियाँ' कविता संग्रह के केंद्र में नदी है, नदी में रेत है और रेत में नांव है और उस नाव में मदनलाल जैसे मूर्तिकार है। पूरे हिंदी साहित्य के इतिहास में रेत पर इतनी कविताएं नहीं लिखीं गई । 'रेत के लिए छायावादी कवियों ने 'सिकता' शब्द का प्रयोग अधिक किया है।

पंत के यहां "सैकत सैया पर दुग्ध ा धवल, तन्वंगी गंगा ग्रीष्म विरल, लेटी है श्रांत क्लांत निश्चल" सरोज स्मृति में भी सैकत शब्द है। अज्ञेय के यहां रेत शब्द कई बार आया है लेकिन बहुत बार नहीं आया है। रेत शब्द के अध्िकाधिक बिंबधर्मी प्रयोग हेतु श्री प्रकाश शुक्ल जैसे कवि याद किए जाएंगे जहां यह पार उदास था, तो वह पार गुलजार।

रेत की आकृतियाँ में दार्शनिक अंदाज का संघर्ष दिखाई देता है। 'वाया नई सदी' में चुप्पी के साथ शिकायत है तो 'क्षीर सागर में नींद' में मुखर रूप से। मदन कश्यप जी ने वाणी पुस्तक मेले में इस किताब की दर्शनिकता पर ध्यान दिए जाने की बात कही थी। प्रखर आलोचक एवं मुखर वक्ता डॉ. विंध्याचल यादव कहते हैं कि 'रेत में आकृतियाँ' चौथा कविता संग्रह है। समय के साथ कविता का अर्थ भी बदल जाता है। यह एक ऐसा कविता संग्रह है जिसमें बनारस का एक अलग स्पेस उभरकर सामने आता है। इस कविता संग्रह में कवि ने बनारस की सांस्कृतिक बुनाई की है। बनारस का एक मुकम्मल भूगोल इस कविता में दिखाई देता है। इस संग्रह की एक कविता में कवि ने बनारस को 'बहरूपियों का शहर' भी कहा है। इस दौर में जिसमें पूंजीवाद, बाजारवाद, और पुनरुत्थानवाद ने जो वैकल्पिकता को छीनने का काम किया है, स्मृति के विलोपन का काम किया है, यह कविता संग्रह स्मृति के ध्वस्तीकरण के खिलाफ है। दीवारों के तो बहुत किस्से हैं लेकिन बालू के रेत के किस्से नहीं है।

केदारनाथ सिंह ने कहा था कि कि श्री प्रकाश शुक्ल नब्बे के दशक के पश्चात् के इसीलिए भी एक जरूरी कवि हैं क्योंकि उन्होंने भाषिक मुहावरों को संजोने की कोशिश की है। यह संग्रह हर नाउम्मीदी के खिलाफ खड़ा होता है। इसमें गंवई गंध मौजूद है। इसमें गांव की बसंत है शहर के लिजलीजेपन के खिलाफ। रेत में रेत का अंकुरण विज्ञान की भाषा में संभव नहीं है, साहित्य की सृजनात्मक भाषा में ही संभव है।

'रेत में आकृतियाँ' कविता–संग्रह की रचना प्रक्रिया पर अपनी बात रखते हुए कवि,आलोचक, गद्यकार प्रो. श्री प्रकाश शुक्ल ने बताया कि मैं 'रेत में आकृतियाँ' के प्रकाशन के पश्चात् मुझे सबसे अधिक इस कृति के माध्यम से जाना गया, याद किया गया। जब यह कृति आई थी, मेरी मात्र तीन पुस्तकें प्रकाशित हुई थीं और आज 16 पुस्तकें प्रकाशित हैं। दर्शन, इतिहास और काव्यशास्त्र में मेरी गहरी रूचि रही है, ये सभी मेरी कृति में रिफ्लेक्ट हुई है। इस कविता में विंध्याचल यादव का आलोचक मन उभरकर सामने आता है। दर्शन, इतिहास और संस्कृति के टूल्स को हथियार बनाकर इस कविता को विंध्याचल ने खोला है।

आत्मसंस्कृति दरअसल शिल्प है, कलाकार इस प्रक्रिया से जुड़कर मांगलिक कार्यों के प्रति अग्रसर होते हैं। मदता साहित्य के लिए खतरनाक है। माधुर्य का प्रवर्तक और मद का निवर्तक कविता है,

जब मैंने गांगेय को बहुत निकट से देखा मुझे ऐसा भान हुआ।

मेरे मित्र बोधिसत्व ने कहा था कि मैं रेत पर ऐसी और इतनी मात्रा में कविताएं तो इस जीवन में नहीं ही लिख सकता, इस मामले में तुम मुझसे आगे हो। इस संग्रह की कविताओं को रचते हुए उन मार्क्सवादी प्रगतिशील विचारों पर लगाम लगानी पड़ी जो मुझे इलाहबाद से विरासत में मिली थी। इस समय मेरे ऊपर शैवागम दर्शन का प्रभाव था। शिवता में आनंद प्रवाही शक्ति थी और शैव आगम में जीव और ईश्वर का संबंध तिरोहित नहीं होती है। इस दर्शन में शक्ति विमर्श की तरह है। इस तरह का संबंध है नदी और रेत का। नदी में रेत कणों का अस्तित्व है, जो अपनी लघुता में भी दृढ़ है। मैंने कविताओं में आत्मलीनता नहीं बल्कि आत्मविसर्जन पर जोर दिया है, ताकि समष्टिगत चित्त से इसका तादात्म्य हो सके।

काशी में राम जब भी आयेंगे
कूचियों से आयेंगे, रेत से आएंगे
काशी के राम कलाकार राम थे
।

कार्यक्रम के संचालनकर्ता डॉ. महेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि यह बनारस पर केंद्रित कविता संग्रह है, जिसमें रेत के कई शेड्स हैं। कवि ने रेत को बनारस की संस्कृति एवं सभ्यता से जोड़कर कई अर्थ छवियाँ निर्मित की है।

हिंदी विभाग बीएचयू की सहायक आचार्या डॉ. नीलम कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

परिचर्चा में प्रो. बलिराज पाण्डेय, प्रो. तरुण कुमार (पटना) श्री राधाकृष्ण गणेशन , सुश्री सुचिता वर्मा, सुश्री सुनीता शुक्ल, सुश्री शिल्पी, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. प्रभाकर सिंह , प्रो. नीरज खरे , प्रो. बलदेव पांडेय , डॉ. ध्रीरेंद्रनाथ चौबे , डॉ. प्रियंका सोनकर, डॉ. राजकुमार मीणा,डॉ. प्रभात कुमार मिश्र , डॉ. लहरी राम मीणा , डॉ. के साथ–साथ अच्छी संख्या में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की उपस्थिति रही।

रोशनी उर्फ धीरा
शोध छात्रा, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

बॉडीगार्ड को धक्का मारने पर ट्रोल हुई काजोल, यूजर्स ने की जया बच्चन से तुलना

काजोल का यह वीडियो तब सामने आया जब वह अपने बेटे युग के साथ एक क्लिनिक से बाहर निकल रही थीं। वीडियो में देखा जा सकता है कि काजोल अपने बेटे का हाथ पकड़े हुए थीं, जो शायद चोटिल था। तभी उनके सामने आए बॉडीगार्ड को उन्होंने धक्का मार दिया। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गई। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने काजोल को जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने कमेंट किया, बॉडीगार्ड को धक्का मारना असभ्य है। वहीं, एक अन्य यूजर ने काजोल की तुलना जया बच्चन से करते हुए लिखा, ये तो दूसरी जया बच्चन हैं। काजोल का यह व्यवहार लोगों को रास नहीं आया, और उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर नकारात्मक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। घटना के दौरान काजोल अपने 14 साल के बेटे युग के साथ दिखाई दीं। वीडियो में वह बेटे का हाथ पकड़े हुए नजर आईं, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि उनके बेटे के पैर में चोट लगी हो सकती है। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। काजोल का अपने बेटे की मदद करने वाला यह वीडियो भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने काजोल के इस व्यवहार की तुलना जया बच्चन से की, जो अक्सर मीडिया और पब्लिक के साथ अपने कड़े रवैये के लिए जानी जाती हैं। यूजर्स का कहना है कि काजोल का यह बर्ताव उनकी चुलबुली और इनोसेंट छवि से मेल नहीं खाता है, और इससे उनके फैंस को निराशा हुई है। विवादों के बीच काजोल के फैंस उनके आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्साहित हैं। काजोल जल्द ही पति अजय देवगन की फिल्मों रेड 2 और सिंघम अगेन में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा, वह फिल्म महारानी क्वीन ऑफ क्वींस में भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। इस फिल्म में वह प्रभु देवा के साथ 27 साल बाद काम करने जा रही हैं, जिससे उनके फैंस को काफी उम्मीदें हैं। काजोल का अपने बॉडीगार्ड को धक्का मारने वाला यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, और इसके कारण वह ट्रोलर्स के निशाने पर आ गईं। हालांकि, काजोल के फैंस उनके काम को लेकर उत्साहित हैं, और उम्मीद कर रहे हैं कि यह विवाद जल्द ही शांत हो जाएगा।

> “
> सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने काजोल के इस व्यवहार की तुलना जया बच्चन से की, जो अक्सर मीडिया और पब्लिक के साथ अपने कड़े रवैये के लिए जानी जाती हैं। यूजर्स का कहना है कि काजोल का यह बर्ताव उनकी चुलबुली और इनोसेंट छवि से मेल नहीं खाता है, और इससे उनके फैंस को निराशा हुई है।

ऑस्कर 2025 के लिए चुनी गई निर्माता किरण राव की फिल्म लापता लेडीज

फिल्म निर्माता किरण राव की कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना गया है। ऑस्कर मार्च 2025 में आयोजित होने वाला है। यह फिल्म 29 फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी, जिनमें "एनिमल", "किल", "कल्कि 2898 ई.डी.", "श्रीकांत", "चंदू चौंपियन", "जोरम", "मैदान", "सैम बहादुर", "आर्टिकल 370", मलयालम फिल्म "आट्टम" और पायल कपाड़िया की "ऑल वी इमेजिन एज लाइट" शामिल है। असमिया निर्देशक जाह्नू बरुआ की अध्यक्षता में, 13 सदस्यीय चयन जूरी ने "लापता लेडीज" पर फैसला किया। इस फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने अभिनय किया है।"लापता लेडीज" का निर्माण किरण राव, आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है। वहीं "लापता लेडीज" 4 अक्टूबर को जापान में रिलीज होने के लिए तैयार है और फिघ्ल्म निर्माता ने कहा था कि वह जापानी सिनेमा की प्रशंसक हैं। किरण ने कहा, "मैं रोमांचित हूं कि 'लापता लेडीज' जापान में रिलीज हो रही है। मैं जापानी सिनेमा की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मुझे उम्मीद है कि जापानी दर्शक भी इस फिल्म से उतने ही भावनात्मक तरीके से जुड़ पाएंगे, जैसे की हम जुड़ पाए।"लापता लेडीज" को मार्च 2024 में रिलीज किया गया। इस फिल्म ने सिनेमाघरों में 100 से अधिक दिनों तक दर्शकों को आकर्षित किया। इसके बाद ओटीटी पर भी इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। यह फिल्म दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है। यह स्लाइस–ऑफ–लाइफ कॉमेडी है। इस कहानी में एक ही ट्रेन में सफर कर रही दो दुल्हनें आपस में बदल जाती हैं। एक किसी दूसरे दुल्हे के साथ उसके घर चली जाती है, वहीं एक रेलवे स्टेशन पर ही रुककर अपने पति का इंतजार करती है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। इसकी कहानी और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखे हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने लिखे हैं। ऑस्कर मार्च 2025 में आयोजित होने वाला है। यह फिल्म 29 फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी, जिनमें "एनिमल", "किल", "कल्कि 2898 ई.डी.", "श्रीकांत", "चंदू चौंपियन", "जोरम", "मैदान", "सैम बहादुर", "आर्टिकल 370", मलयालम फिल्म "आट्टम" और पायल कपाड़िया की "ऑल वी इमेजिन एज लाइट" शामिल है। असमिया निर्देशक जाह्नू बरुआ की अध्यक्षता में, 13 सदस्यीय चयन जूरी ने "लापता लेडीज" पर फैसला किया। इस फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने अभिनय किया है। "लापता लेडीज" का निर्माण किरण राव, आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है। वहीं "लापता लेडीज" 4 अक्टूबर को जापान में रिलीज होने के लिए तैयार है और फिल्म निर्माता ने कहा था कि वह जापानी सिनेमा की प्रशंसक हैं।

लापता लेडीज को अश्कर में चुने जाने पर आमिर खान और रवि किशन ने जताई खुशी

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए ऑफिशियल एंट्री है। आज जैसे ही फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया की तरफ से ये जानकारी आई, हर तरफ खुशी की लहर दौड़ गई। इस फिल्म को लेकर भाजपा सांसद व अभिनेता रवि किशन और किरण राव के एक्स हस्बैंड आमिर खान ने भी अपनी खुशी जाहिर की है। गोरखपुर से भाजपा सांसद व अभिनेता रवि किशन ने कहा, फिल्म 'लापता लेडीज' ऑस्कर जीतेगी। दरअसल, पांच करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म को ऑस्कर में एंट्री मिल गई है। रवि किशन ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फिल्म ऑस्कर में जाएगी। क्योंकि, भारत में बड़े–बड़े बजट में कई फिल्में बनी हैं, लेकिन, यह फिल्म बहुत छोटे बजट में बनी है। लेकिन, इसे ऑस्कर में एंट्री मिली है। इस फिल्म को अब पूरी दुनिया देखगी। 34 साल से हम अभिनय कर रहे थे, आज मेहनत सफल हुई। उत्तर प्रदेश, बिहार के लोग गर्व महसूस कर रहे हैं जो मुझे अपना हीरो मानते हैं। उन्होंने अपने किरदार मनोहर के बारे में बताया। रवि ने कहा, वह देशभर में घूमते हैं और किरदार पढ़ लेते हैं। फिल्म में मैंने जो किरदार निभाया है, यह किरदार मुझे बिहार में मिला। जब मैंने देखा कि एक पुलिसवाला पान खाते हुए कैसे जनता से संवाद कर रहा है, तब मैंने सोच लिया था, एक न एक दिन इस कलाकार को पर्दे पर जरूर उतारूंगा। रवि किशन ने आगे कहा कि मैं निर्देशक किरण राव को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे फिल्म में रोल दिया। आमिर खान को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इस फिल्म का निर्माण किया, और साथ ही मेरे सह–कलाकारों और लेखकों को भी, जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। रवि किशन ने कहा इस फिल्म में प्रधानमंत्री के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के संकल्प को दिखाया गया है। यह नया भारत है, जिसे आज इस फिल्म के माध्यम से पूरी दुनिया देखेगी। उन्होंने कहा, मैं फिल्म के निर्माता–निर्देशक से फोन पर बात करूंगा और साथ ही अपने सह कलाकारों से भी बात करूंगा। रवि किशन का फिल्म में किरदार शुरुआत में तो भ्रष्ट दरोगा का प्रतीत होता है, लेकिन, आखिर में वह सच्चा दरोगा बन न्याय करता है। एक स्टेटमेंट शेयर करते हुए आमिर खान ने कहा कि उन्हें किरण पर गर्व है। अपने स्टेटमेंट में आमिर खान ने लिखा है, "हम सभी इस खबर से बहुत खुश हैं। मुझे किरण और उनकी पूरी टीम पर बहुत गर्व है। में फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन समिति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसने ऑस्कर में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमारी फिल्म को चुना। आमिर खान ने कहा कि हमारे दर्शकों, हमारे मीडिया और पूरी फिल्म बिरादरी को मेरा दिल से आभार, उन्होंने लापता लेडीज को जो प्यार और समर्थन दिया है। जियो और नेटफ्लिक्स दोनों का धन्यवाद, जो हमारे साथ काम करने के लिए बेहतरीन भागीदार रहे हैं। मुझे बहुत खुशी है कि हमारी सारी मेहनत रंग लाई है। आप सभी का शुक्रिया। उम्मीद है कि लापता लेडीज अकादमी के सदस्यों का दिल जीतने में सक्षम होगी। यह फिघ्ल्म दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है। यह स्लाइस–ऑफ–लाइफ कॉमेडी है। इस कहानी में एक ही ट्रेन में सफर कर रही दो दुल्हनें आपस में बदल जाती हैं। एक किसी दूसरे दुल्हे के साथ उसके घर चली जाती है, वहीं एक रेलवे स्टेशन पर ही रुककर अपने पति का इंतजार करती है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। इसकी कहानी और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखे हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने लिखे हैं। ऑस्कर मार्च 2025 में आयोजित होने वाला है। यह फिल्म 29 फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी, जिनमें "एनिमल", "किल", "कल्कि 2898 ई.डी.", "श्रीकांत", "चंदू चौंपियन", "जोरम", "मैदान", "सैम बहादुर", "आर्टिकल 370", मलयालम फिल्म "आट्टम" और पायल कपाड़िया की "ऑल वी इमेजिन एज लाइट" शामिल है। असमिया निर्देशक जाह्नू बरुआ की अध्यक्षता में, 13 सदस्यीय चयन जूरी ने "लापता लेडीज" पर फैसला किया। इस फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने अभिनय किया है। "लापता लेडीज" का निर्माण किरण राव, आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है। वहीं "लापता लेडीज" 4 अक्टूबर को जापान में रिलीज होने के लिए तैयार है और फिल्म निर्माता ने कहा था कि वह जापानी सिनेमा की प्रशंसक हैं।

बेटी को फीड कराने में खराब हुई दीपिका की हालत! मजेदार वीडियो शेयर कर बताया दुख

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका नादुकोण इन दिनों मदरहुड को एंजॉय कर रही हैं. बेबी गर्ल के साथ दीपिका और रणवीर दोनों ही फुल टाइम बिता रहे हैं. बेबी गर्ल के जन्म के बाद दीपिका नादुकोण होने वाली परेशानी के बारे में बता रही हैं. उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है और बताया कि न्यूबॉर्न बेबी को फीड कराने में कितनी परेशानी आती हैं. दीपिका ने ये पोस्ट अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया था. अब ये खूब वायरल हो रहा है. दीपिका ने 8 सितंबर को बेटी को जन्म दिया था. दीपिका ने बेबी गर्ल का अभी नाम नहीं रखा है और न ही बेटी की झलक फैंस को दिखाई है. बेटी के साथ जितना एंजॉय कर रहे हैं उतना ही उसे संभाल पाना भी मुश्किल हो रहा है. इसकी झलक दीपिका ने दिखाई है. दीपिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर की है. जिसमें लिखा है अगर एडल्ट न्यूबॉर्न बेबी की तरह खाते तो. वीडियो में एक लेडी किचन में जाती है और जो कुछ भी खाती है उसके साथ ही अपना सिर हिलाती रहती है.इतना ही नहीं एक बाइट खाते ही सो भी जाती है. ये वीडियो देखने में तो काफी फनी लग रहा है लेकिन इससे दीपिका ने अपनी परेशानी फैंस को बता दी है. रिपोर्ट्स की माने तो दीपिका ने बेटी का सारा काम खुद करने का फैसला लिया है. वो अपना पूरा समय बेटी को देंगी, उन्होंने बेटी के लिए कोई नैनी भी नहीं रखी है. उन्होंने अभी काम से भी ब्रेक लिया हुआ है. उनका कहना है कि पहले वो बेटी पर ध्यान देंगी उसके बाद काम पर वापसी करेंगी. बता दें दीपिका और रणवीर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके बेटी के जन्म की जानकारी दी थी. उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें लिखा था– वेलकम बेबी गर्ल. 08–09–24.

'खतरों के खिलाड़ी 14' के ग्रैंड फिनाले की डेट हुई कंफर्म! जानिए कब–कहां देख सकेंगे

छोटे पर्दे का बड़े रिएलिटी शोज में 'खतरों के खिलाड़ी' का नाम भी आता है. 'खतरों के खिलाड़ी 14' इन दिनों कलर्स पर टेलीकास्ट हो रहा है और ये शो सेमी फाइनल तक पहुंच चुका है. जिसे 21–22 सितंबर को दिखाया जा चुका है और अब खेल फाइनल की तरफ बढ़ चुका है. 'खतरों के खिलाड़ी 14' को अपने टॉप–5 फाइनलिस्ट भी मिल चुके हैं. 'झींजतवद झम झीपसंकप 14' के ग्रैंड फिनाले डेट को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है. रोहित शेट्टी अपने टॉप–5 फाइनलिस्ट के साथ ग्रैंड फिनाले एपिसोड में मिलेंगे. चलिए आपको इसकी तारीख और दिन बताते हैं. 'खतरों के खिलाड़ी 14' के सेमी फिनाले में रोहित शेट्टी ने शालीन भनोट, अभिषेक कुमार, करण वीर मेहरा, गशमीर महाजनी और कृष्णा श्रॉफ को टॉप–5 फाइनलिस्ट बताया है. लगभग 14 कंटेस्टेंट्स को मात देकर ये 5 फाइनल तक पहुंच गए हैं. टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, अगले वीकेंड पर 'खतरों के खिलाड़ी 14' का ग्रैंड फिनाले हो सकता है जिसमें आलिया भट्ट अपनी फिल्म जिगरा का प्रमोशन करने आएंगी. फिलहाल ऑफिशियली 'खतरों के खिलाड़ी 14' के ग्रैंड फिनाले की डेट सामने नहीं आई है. 2023 में 'खतरों के खिलाड़ी 13' आया था जिसके विरन सिंगर और रैपर डिनो जेम्स बने थे. डिनो को 20 लाख रुपये प्राइज मनी मिली थी और साथ में एक न्यू ब्रांड कार भी मिली थी. डिनो जेम्स ने ऐश्वर्या शर्मा और अर्जित तनेजा को फाइनल में हराया था. अब 'खतरों के खिलाड़ी 14' में शालीन भनोट, कृष्णा श्रॉफ, अभिषेक कुमार, करण वीर मेहरा और गशमीर महाजनी में कौन विनर बनेगा इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा. जल्द ही, 'खतरों के खिलाड़ी 14' फिनाले डेट जल्द ही ऑफिशियली अनाउंस होगी.

सुबह-सुबह खाली पेट मखाना खाने से सेहत को मिलते हैं गजब के फायदे, हार्ट हेल्दी रहता है

आजकल लोग अपनी सेहत का ध्यान न रखकर। बाहर का जंक फूड्स का सेवन ज्यादा करते हैं, जो काफी अनहेल्दी होते हैं। खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से आए दिन बीमारियों का खतरा बना रहता है। वैसे मखाने में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो अच्छी सहेत के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। रोज खाली पेट मखाने का सेवन करने से स्वास्थ को कई लाभ मिलते हैं। रोजाना मखाने खाने से स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। इससे वजन कम करने, स्किन को हेल्दी रखता है और ब्लड शुगर नियंत्रित रखने में मदद मिलती हा।

मखाने पोषक तत्वों का भंडार

रोजाना मखाने खाने से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। मखाने में कम कैलोरी, फाइबर, प्रोटीन, कैल्शियम, फोस्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, एमिनो एसिड और हेल्दी फैट्स जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

मखाने खाने से स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। मखाने में एमिनो एसिड और एंटी–ऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से स्किन को हेल्दी बनाने, एजिंग से बचाव करने और स्किन की इलास्टिसिटी को बेहतर करने में मदद करता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करता

रोजाना खाली पेट मखाने खाने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। क्योंकि, इसमें कम कैलोरी और हाई फाइबर होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से शुगर को नियंत्रित किया जा सकता है।

भूख कंट्रोल करता है

मखाने में अच्छी मात्रा में फाइबर होता है। मखाने खाने से भूख कंट्रोल होती है और वजन को कम करने में भी मदद करता है। इसके साथ ही मखाने में अच्छी मात्रा में बहुत से पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से स्वास्थ्य को कई फायदे मिलते हैं।

हड्डियों के लिए बढ़िया

मखाने मे प्रचुर मात्रा में कैल्शियम होता है। इसका सेवन करने से हड्डियों को मजबूती देने और इससे जुड़ी बीमारियों से बचाव करने में मदद मिलती है।

दिल को स्वस्थ रखता

मखाने खाने से हार्ट हेल्दी रहता है। मखाने में अच्छी मात्राल में एंटी–ऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से हार्ट हेल्दी रहता है और ह्रदय संबंधित समस्याओं से बचा जा सकता है।

इस मौसम में एसी की हवा के नुकसान, अनदेखा करना बन सकता है गंभीर बीमारी का कारण!

आजकल गर्मियों में एसी की ठंडी हवा में रहना सभी को पसंद हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका ज्यादा उपयोग आपकी सेहत पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है? एसी की हवा से होने वाले नुकसान अक्सर अनदेखे रह जाते हैं, लेकिन ये समस्याएं धीरे–धीरे गंभीर रूप ले सकती हैं। इस लेख में हम जानेंगे एसी की हवा के पांच प्रमुख नुकसान और कैसे आप सरल उपायों से अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं। चलिए, जानते हैं!

डिहाइड्रेशन

एसी की ठंडी हवा शरीर के दंजनतंस तरल पदार्थों को कम कर देती है, जिससे पानी को लेवल घटने लगता है और डिहाइड्रेशन की समस्या होती है। लएसी समय तक एसी में रहने से आपको थकान, सिरदर्द और कमजोरी का अनुभव हो सकता है। इस स्थिति में, शरीर के विभिन्न अंगों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, और इसके साथ ही ऊर्जा स्तर भी कम हो जाता है। इसलिए, एसी के इस्तेमाल के दौरान हाइड्रेशन का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

ड्राई स्किन

एसी की हवा त्वचा की नमी को भी सूखा देती है। इससे त्वचा बेजान और खिंची–खिंची हो जाती है। ड्राई स्किन की समस्या होने पर खुजली और जलन जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं। इसके अलावा, आंखों में भी ड्राइनेस का अनुभव हो सकता है।

सांस लेने में परेशानी

एसी की हवा श्वसन तंत्र पर बुरा प्रभाव डालती है। इससे श्वास नली में सूखापन और नाक में सूजन हो सकती है। ऐसी स्थिति में सांस लेना कठिन हो जाता है, और व्यक्ति को मुंह से सांस लेने की आदत पड़ जाती है, जिससे ध ूल–मिट्टी भी अंदर चली जाती है।

जोड़ो और हड्डियों में दर्द

एसी की ठंडी हवा मांसपेशियों और हड्डियों पर विपरीत प्रभाव डालती है। यह खासकर बुजुर्गों में जोड़ो के दर्द को बढ़ा सकती है। लएसी समय तक एसी में रहने से शरीर की मांसपेशियों में जकड़न और दर्द का अनुभव होता है।

जलवायु परिवर्तन में परेशानी

जो लोग एसी की हवा पर निर्भर रहते हैं, उनके लिए मौसम के बदलाव को सहन करना मुश्किल हो जाता है। शरीर केवल एक ही तापमान पर अडैप्ट हो जाता है, जिससे वातावरण में बदलाव के समय उन्हें बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

एसी की हवा का सुरक्षित उपयोग

1. हाइड्रेशन का ध्यान रखे दिन में 3–4 लीटर पानी पीना न भूलें।

2. ह्यूमिडिफायर का उपयोग करे इससे घर में नमी बनी रहेगी।

3. एसी का तापमान सही रखे लएसी समय तक एसी चलाने से बचें। जैसे ही रूम का तापमान ठंडा हो जाए, एसी को बंद कर दें।

इन सरल उपायों को अपनाकर आप एसी की ठंडी हवा का आनंद लेते हुए अपनी सेहत का भी ख्याल रख सकते हैं। सेहतमंद रहिए!

अमीर बनना है तो बदल दें ये आदतें, आपके पीछे खुद चलकर आएगा पैसा!

दुनिया में अमीर कौन नहीं बनना चाहता । हर किसी का सपना होता है कि उसके पास सारे ऐशो– आराम हो, हालांकि कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है। अमीर बनने के लिए सही ढंग से पैसा सेव करना और उसे बुद्धिमानी से निवेश करना बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आज आपको पैसे सेव करने के कुछ सुझाव बताते हैं जिससे आप भविष्य में अमीर बनने की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

आय का एक हिस्सा सेव करें

सबसे पहले, अपनी आय का कम से कम 20–30: हिस्सा हर महीने सेव करने की आदत डालें। इसे सबसे पहले करें, यानी जब आपकी सैलरी आए तो उसमें से सेविंग्स निकाल लें और बाकी खर्च करें। इस तकनीक को Pay Yourself First कहा जाता है।

बजट बनाएं

हर महीने का बजट बनाएं और उसमें से आवश्यक खर्च और गैर–जरूरी खर्चों को पहचानें। जो खर्चे आपको जरूरी नहीं लगते, उन्हें कम करने की कोशिश करें। गैरजरूरी चीजों पर खर्च करने से बचें जैसे कि लग्जरी चीजें, बार–बार बाहर खाना, या अनियोजित खरीदारी।

आपातकालीन फंड बनाएं

अपने जीवन में किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए एक आपातकालीन फंड बनाएं। इस फंड में कम से कम 6 महीने की आमदनी का पैसा रखें ताकि आप किसी भी आर्थिक संकट से बच सकें।

लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए निवेश करें

सिर्फ पैसे बचाना ही नहीं, बल्कि उन्हें सही जगह निवेश करना भी जरूरी है। आप म्यूचुअल फंड्स, स्टॉक्स, फिक्स्ड डिपॉजिट, और रियल एस्टेट जैसे साधनों में निवेश कर सकते हैं। कंपाउंड इंटरेस्ट का फायदा उठाने के लिए निवेश जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

कर्ज से बचें

अनावश्यक कर्ज लेने से बचें। क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल करें और जितना हो सके उधार न लें। कर्ज में फंसने से बचने के लिए सिर्फ उतना ही खर्च करें जितना आप चुकाने की स्थिति में हों। अगर कर्ज लेना हो, तो कम ब्याज दर वाली योजनाओं को चुनें और समय पर उसका भुगतान करें।

लंबी अवधि का दृष्टिकोण रखें

अमीर बनने का लक्ष्य एक रात में पूरा नहीं होता। इसके लिए धैर्य और समझदारी से लिया गया हर कदम जरूरी है। अपने निवेश को लंबी अवधि के लिए बनाए रखें और छोटे–छोटे बदलावों से घबराएं नहीं।

साइड इनकम के रास्ते तलाशें

अगर आप अपनी सैलरी या मुख्य आय से ज्यादा पैसा सेव करना चाहते हैं, तो साइड इनकम के अवसरों पर ध्यान दें। आप कोई फ्रीलांस काम, ऑनलाइन बिजनेस, या इंवेस्टिंग के माध्यम से अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन से बचें

जब आपकी आमदनी बढ़ती है, तो लोग अक्सर अपने खर्चों में भी इजाफा कर देते हैं। इसे लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। अगर आप ज्यादा कमाते हैं, तो उसे बढ़े हुए खर्चों पर न लगाकर सेविंग्स और निवेश पर फोकस करें

लक्ष्य निर्धारित करें

छोटे और बड़े दोनों आर्थिक लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से निध ार्रित करें। उदाहरण के लिए, अगले पांच वर्षों में घर खरीदना, बच्चों की पढ़ाई के लिए फंड बनाना, या रिटायरमेंट के लिए सेविंग्स प्लान करना। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से बचत और निवेश करें।

पैसे बचाने और निवेश करने के लिए सही दृष्टिकोण अपनाना अमीर बनने की कुंजी है। धैर्य और अनुशासन से पैसे का सही प्रबंधन करें, और ध्यान रखें कि छोटी–छोटी सेविंग्स समय के साथ बड़ी हो जाती हैं।

उलझे हुए बाल रहेंगे मुलायम, बस इन टिप्स को फॉलो करें

फ्रिज़ीनेस सूखे बालों के कारण होती है जिनमें नमी की कमी होती है। विडंबना यह है कि आर्द्र, गीला मौसम घुंघराले बालों को और भी बदतर बना देता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सूखे बाल हवा से नमी को अवशोषित करने की कोशिश करते हैं, कोई भी चीज़ जो बालों को रूखा बनाती है, वह रुखेपन को बदतर बना सकती है। इसमें ऐसे शैंपू शामिल हैं जो क्षारीय हैं, और स्टाइलिंग जैल जैसे उत्पाद, जिनमें अल्कोहल होता है। गर्मी का उपयोग करने वाले स्टाइलिंग उपकरण भी बालों को ड्राई कर सकते हैं, जिससे बाल झड़ सकते हैं। यदि आप अपने बालों को मुलायम लुक देना चाहते हैं, तो ऐसे घरेलू उपचार हैं जो बालों के उलझने को कम करने में मदद करने के लिए नमी बहाल कर सकते हैं। अतिरिक्त लाभ यह है कि बढ़ी हुई नमी बालों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकती है।

उलझे हुए बाल कैसे होंगे ठीक

अगर आप भी उलझे बालों से परेशान हैं तो आप हेयर ट्रीटमेंट लेने के बजाय घर पर कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

स्टेप 1

सबसे पहले बालों को धोने के लिए हेयर टाइफ के अनुसार अच्छा शैंपू और कंडीशनर चुनें। हफ्ते में एक से दो बार बाल धोएं।

स्टेप 2

बालों को धोने के लिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। गर्म पानी का प्रयोग न करें। इससे बाल ड्राई हो सकते हैं और डैमेज कर सकते है।

स्टेप 3

फ्रिजी हेयर्स के लिए बालों में मास्क लगाना काफी जरुरी होता है। हफ्ते में एक बार बालों में हेयर मास्क जरुर लगाएं। दही, अंडा, केला मास्क लगा सकती हैं।

स्टेप 4

बालों को धोने के बाद तौलिए से ज्यादा रगड़ें नहीं। इसके साथ ही हमेशा सॉफ्ट तौलिया का प्रयोग है। हार्ड तौलिए से बाल डैमेज होते हैं।

स्टेप 5

कई बार तकिया कवर से भी बालों पर असर दिखाई देता है। कड़ा तकिया कवर बदलकर सॉफ्ट साटिन कवर लगाकर सोएं। इससे बाल सॉफ्ट रहेंगे।

स्टेप 6

भूलकर भी हीटिंग टूल्स का प्रयोग न करें। ब्लो ड्रायर, स्ट्रेटनर से बालों को डीप डैमेज पहुंचता है और फिर ये उलझे हुए दिखते हैं।

संक्षिप्त

गौतम अदाणी ने बॉम्बार्डियर के सीईओ के साथ विमान सेवा साझेदारी पर की चर्चा

उद्योगपति गौतम अदाणी ने विमान सेवाओं और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी पर चर्चा के लिए बॉम्बार्डियर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एरिक मार्टेल से मुलाकात की। अदाणी समूह बंदरगाह से लेकर ऊर्जा तक के क्षेत्र में कारोबार करने के साथ देश में सात हवाई अड्डों का संचालन करता है। बॉम्बार्डियर कनाडा का 'बिजनेस' विमान विनिर्माता है। अदाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' भारत के विमानन क्षेत्र की वृद्धि को गति देते हुए..बॉम्बार्डियर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एरिक मार्टेल के साथ विमान सेवा, एमआरओ और रक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने वाली साझेदारी पर चर्चा की। हम एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए साथ आए हैं।'' हालांकि, उद्योगपति ने मंगलवार को हुई इस बैठक की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की।

जनरल मोटर्स के कंसास प्लांट में होगी छंटनी, 1700 कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

जनरल मोटर्स अपने संयंत्र से कर्मचारियों की छंटनी करेगा। जनरल मोटर्स ने घोषणा की है कि वो अपने कैन्सास संयंत्र से लगभग 1700 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगा। कंपनी कंसास स्थित अपने फेयरफैक्स असेंबली प्लांट में 1,695 कर्मचारियों की नौकरियों में कटौती करने जा रही है। एक न्यूज रिपोर्ट में कंपनी के प्रवक्ता ने छंटनी की पुष्टि की गई है। नौकरियों में कटौती दो चरणों में होने वाली है। इसकी पहली कटौती इस वर्ष 18 नवंबर से शुरू होगी। रॉयटर्स की रिपोर्ट की मानें तो पहले फेज की छंटनी से 686 पूर्णकालिक कर्मचारियों पर अस्थायी रूप से असर पड़ने तथा 250 अस्थायी कर्मचारियों की नौकरियां जाने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौकरी में कटौती का दूसरा चरण 12 जनवरी, 2025 से शुरू होगा, जिसमें 759 पूर्णकालिक कर्मचारी अस्थायी रूप से प्रभावित होंगे। इससे पहले मई में, कंपनी ने कैनसस में जनवरी 2025 के बाद कैडिलैक ग्ज4 के उत्पादन पर रोक लगाने की घोषणा की थी। इसके परिणामस्वरूप, 2025 के अंत तक बोल्ट ईवी और एक्सटी4 दोनों के लिए एक ही असेंबली लाइन पर विनिर्माण फिर से शुरू होने तक उत्पादन कर्मचारियों की नौकरियों में कटौती होगी। प्रवक्ता द्वारा ईमेल से भेजे गए बयान का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है, ष्जैसा कि मई में पहले घोषणा की गई थी, जीएम नई शेवरले बोल्ट ईवी के उत्पादन को बढ़ाने के लिए हमारे फेयरफैक्स असेंबली प्लांट में लगभग 390 मिलियन डॉलर का निवेश कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा, ष्नए उपकरणों की स्थापना की सुविधा के लिए, कर्मचारियों को 2025 के मध्य में उत्पादन फिर से शुरू होने तक अस्थायी रूप से छुट्टी पर रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अगस्त में कंपनी ने वैश्विक स्तर पर 1,000 से अधिक वेतनभोगी कर्मचारियों की नौकरियों में कटौती की थी। छंटनी से डेट्रॉयट के निकट कंपनी के तकनीकी परिसर में लगभग 600 लोग प्रभावित हुए, क्योंकि कंपनी परिचालन को सुव्यवस्थित करने और दक्षता बढ़ाने का प्रयास कर रही थी। कंपनी ने कहा, ष्जैसा कि हम जीएम के भविष्य का निर्माण कर रहे हैं, हमें गति और उत्कृष्टता के लिए सरलीकरण करना होगा, साहसिक विकल्प बनाने होंगे, तथा उन निवेशों को प्राथमिकता देनी होगी जिनका सबसे अधिक प्रभाव होगा।ष् यह छंटनी मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर और सेवा प्रभाग पर केंद्रित थी।

जीरोधा के रेवेन्य में आ सकती है बड़ी गिरावट, नितिन कामथ ने दी जानकारी

जीरोधा कंपनी इन दिनों अच्छे दिनों से नहीं गुजर रही है। कंपनी का रेवेन्यू लगातार गिरता जा रहा है। जीरोधा के सह–संस्थापक और सीईओ नितिन कामथ ने ये जानकारी दी है। नितिन कामथ ने कहा कि कंपनी वर्तमान में राजस्व में स्थिरता का सामना कर रही है, जबकि इस वर्ष के अंत में इसमें उल्लेखनीय गिरावट आने की तैयारी है। एक ब्लॉग पोस्ट में, नितिन कामथ ने बाजार नियामक सेबी के नए नियमों की ओर इशारा किया, जिनके इस साल 1 अक्टूबर से ब्रोकरेज के कारोबारी परिचालन पर असर पड़ने की उम्मीद है। उन्होंने

कहा, हम पहले से ही राजस्व और लाभ में स्थिरता देख रहे हैं, और हम इस साल के अंत में राजस्व में बड़ी गिरावट के लिए तैयार हैं। सेबी का ट्रू–टू–लेबल सर्कुलर 1 अक्टूबर, 2024 को लाइव होगा। हमें 10% राजस्व में गिरावट की उम्मीद है। इसके अलावा, इंडेक्स डेरिवेटिव्स पर एक और विनियमन से आय में 30% से 50% की कमी हो सकती है, उन्होंने कहा, इंडेक्स डेरिवेटिव्स आज हमारे राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, और कोई भी बदलाव हमें प्रभावित करेगा। नितिन कामथ ने नए बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट (बीएसडीए) थ्रेसहोल्ड के तहत वार्षिक रखरखाव शुल्क (एएमसी) में बदलावों पर भी प्रकाश डाला और कहा, हम 10 लाख और उससे अधिक की डीमैट होल्डिंग वाले ग्राहकों से पूर्ण एएमसी चार्ज कर सकते हैं, जबकि आज यह 4 लाख है। खाता खोलने का शुल्क हटाने के साथ, यह राजस्व में एक सार्थक गिरावट होगी। उन्होंने कहा कि स्टॉक एक्सचेंजों के नए दिशानिर्देशों के कारण जीरोधा के रेफरल कार्यक्रम को भी झटका लगा है, जिसके तहत भुगतान केवल पंजीकृत अधिकृत व्यक्तियों तक ही सीमित कर दिया गया है, क्योंकि इस परिवर्तन के कारण रेफर करने वालों की संख्या हजारों से घटकर केवल कुछ पंजीकृत भागीदारों तक ही रह गई है।

WTC में सबसे ज्यादा विकेट से लेकर शेन वॉर्न को पीछे छोड़ने तक, ये सात रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं अश्विन

कानपुर। बांग्लादेश को चेन्नई टेस्ट में हराने में भारत के दिग्गज गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने अहम भूमिका निभाई। इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने टेस्ट करियर का छठा शतक (113) जड़ा और फिर दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए। इसकी बदौलत टीम इंडिया 280 रन से जीतने में कामयाब रही। यह अश्विन के टेस्ट करियर का 37वां पांच विकेट हॉल रहा और उन्होंने इस मामले में महान शेन वॉर्न की बराबरी की। अब उनसे सिर्फ श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन आगे हैं। अब भारत को बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में दूसरा टेस्ट खेलना है और वहां परिस्थिति स्पिन गेंदबाजों को मदद कर सकती है। ऐसे में अश्विन कहर बरपा सकते हैं। ऐसे सात रिकॉर्ड हैं जो अश्विन कानपुर टेस्ट में बना सकते हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से शुरू हो रहा है। आइए एक नजर डालते हैं उन रिकॉर्ड्स की पूरी लिस्ट पर...

1. टेस्ट मैचों की चौथी पारी में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय

अश्विन पहले से ही एक टेस्ट की चौथी पारी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। हालांकि, एक विकेट लेते ही वह टेस्ट की चौथी पारी में 100 विकेट पूरे कर लेंगे और वह इस मुकाम को छूने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे। ओवरऑल वह ऐसा करने वाले छठे गेंदबाज बनेंगे। चेन्नई में अश्विन ने इस मामले में महान अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा था। कुंबले ने चौथी पारी में 94 विकेट लिए थे, जबकि अश्विन के नाम 99 विकेट हैं। 60 विकेट के साथ बिशन सिंह बेदी तीसरे स्थान पर हैं।

2. चौथी पारी में दूसरा सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल

अश्विन ने चेन्नई में सातवीं बार किसी एक टेस्ट की चौथी पारी में पांच या इससे ज्यादा विकेट लिए। इस मामले में उन्होंने शेन वॉर्न और मुथैया मुरलीधरन की बराबरी की। अश्विन के पास कानपुर में वॉर्न और मुरलीधरन को पीछे छोड़ने का मौका होगा। उनसे आगे सिर्फ श्रीलंका के पूर्व स्पिनर रंगना हेराथ हैं। हेराथ ने टेस्ट की चौथी पारी में 12 बार फाइव विकेट हॉल लिया है।

3. भारत बनाम बांग्लादेश टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

अश्विन के पास भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका है। इस लिस्ट में सबसे ऊपर जहीर खान हैं। उन्होंने 31 विकेट लिए थे। अश्विन को भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने के लिए सिर्फ तीन और विकेटों की जरूरत है। अश्विन 29 विकेट के साथ लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं।

4. विश्व टेस्ट चौंपियनशिप ॅ(ज्ब) 2023–25 चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज

अश्विन के पास विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका भी है। उन्होंने अब तक इस चक्र में 48 विकेट लिए हैं। उनसे आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड हैं। चार और विकेट लेते ही अश्विन हेजलवुड को पीछे छोड़ देंगे।

5. टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल

अश्विन ने अब तक 37 बार टेस्ट में फाइव विकेट हॉल निकाले हैं। इस मामले में वह शेन वॉर्न की बराबरी पर हैं। कानपुर टेस्ट में एक और पारी में पांच विकेट लेते ही वह वॉर्न को पीछे छोड़ देंगे। तब उनसे आगे सिर्फ मुथैया मुरलीधरन होंगे, जिन्होंने टेस्ट में 67 फाइव विकेट लिए थे।

6. WTC इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

अश्विन को विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन से आगे निकलने के लिए आठ और विकेटों की जरूरत है। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप की शुरुआत 2019 में हुई थी और तब से लियोन ने 187 विकेट लिए हैं, जबकि अश्विन 180 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अश्विन लियोन को पीछे छोड़ सकते हैं।

7. टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

अगर अश्विन (522) कानपुर टेस्ट में आठ विकेट लेते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में लियोन (530) को पछाड़कर सातवां स्थान हासिल कर लेंगे। इस लिस्ट में उनसे ऊपर तब मुरलीधरन, वॉर्न, एंडरसन, कुंबले, ब्रॉड और मैक्ग्रा रह जाएंगे।

सचिन का रिकॉर्ड न भी तोड़ पाए तब भी रूट टेस्ट में इंग्लैंड के सर्वकालिक महान खिलाड़ी बन जाएंगे : बेल

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज इयान बेल का मानना घ्है कि जो रूट अगर सचिन तेंदुलकर के 15,921 रन के टेस्ट रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाते हैं तो भी वह टेस्ट क्रिकेट में उनके देश के सर्वकालिक महान बल्लेबाज बन जाएंगे। रूट हाल ही में श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए सबसे लंबे प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए थे। बेल ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के अवसर पर पीटीआई से विशेष बातचीत में कहा,''रूट ने पिछले 12 महीनों अविश्वसनीय रूप से शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे नहीं लगता कि वह भविष्य के बारे में बहुत कुछ सोच रहा है। वह उसी क्षण में जी रहा है जैसे हम जी रहे हैं।'' उन्होंने कहा,''सचिन जैसे महानतम खिलाड़ी के करीब पहुंचना भी बड़ी उपलब्धि है। सचिन खेल का वास्तव में महान खिलाड़ी है जिनको खेलते हुए देखकर हम बड़े हुए हैं। वह केवल भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए नायक हैं।'' इंग्लैंड की तरफ से 118 टेस्ट मैच खेलने वाले 42 वर्षीय बेल ने अपने पूर्व साथी के बारे में कहा,''यह सोचना भी बड़ी उपलब्धि है कि रूट सचिन के करीब पहुंच सकता है। वह सचिन का रिकॉर्ड तोड़ पाए हैं या नहीं, इसमें कोई संदेह नहीं कि वह इंग्लैंड के सर्वकालिक महान बल्लेबाज के रूप में जाने जाएंगे।'' रूट अभी 33 वर्ष के हैं और उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 12402 रन बनाए हैं। इस तरह से वह तेंदुलकर के रिकॉर्ड से अभी 3519 रन पीछे हैं। बेल को लगता है कि इंग्लैंड के बहुचर्चित बैज़बॉल दृष्टिकोण ने मौजूदा खिलाड़ियों की प्रतिभा को उजागर किया है। उन्होंने कहा,''एक प्रशंसक के तौर पर आपको परिणामों को देखना होगा। जब से ब्रेंडन (मैकुलम) इंग्लैंड की टीम में आए हैं और (बेन) स्टोक्स ने कमान संभाली है, टीम ने अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। वे जैक क्रॉली, ओली पोप, हैरी ब्रूक जैसे युवा खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सफल रहे हैं।'' इंग्लैंड विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के पहले दो चक्र में फाइनल में पहुंचने के दावेदारों में शामिल नहीं रहा और बेल का मानना है कि अगले चक्र में घरेलू श्रृंखलाओं में जीत दर्ज करना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा,''मुझे पूरा यकीन है कि उनकी नजर अगले 12 महीनों पर है, जिसमें उन्हें भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं,

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

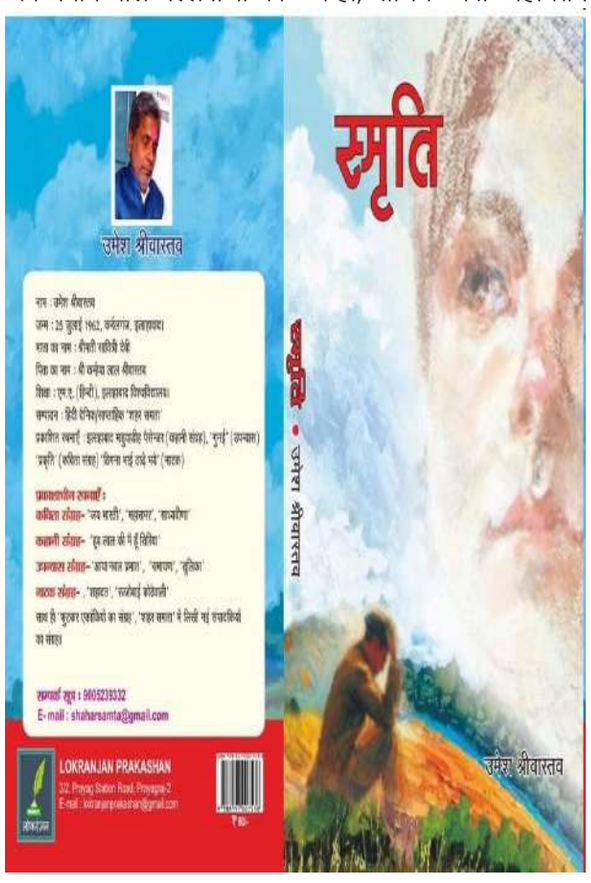

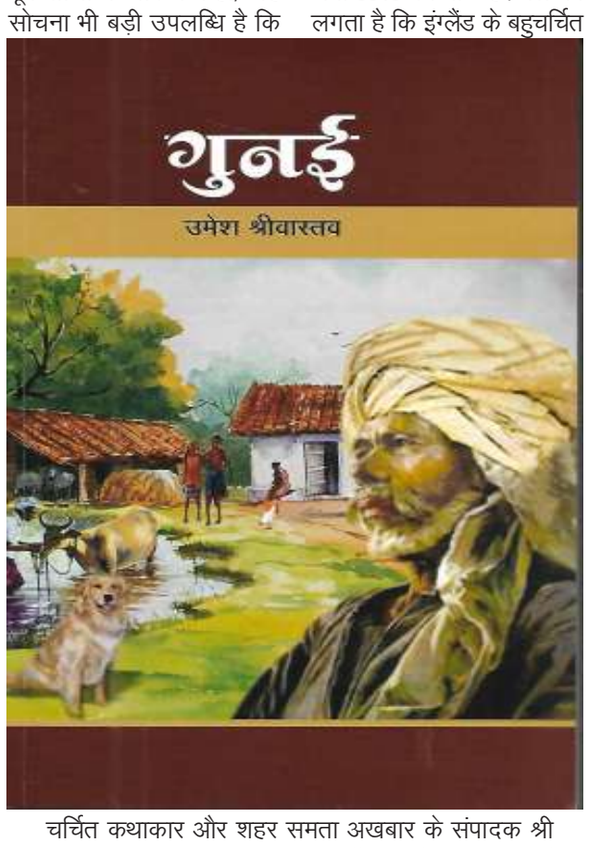

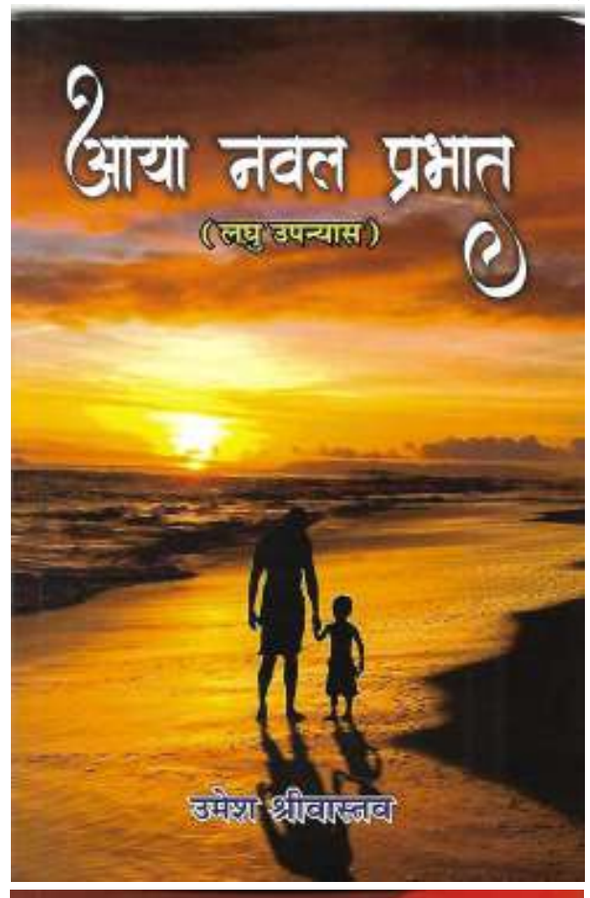

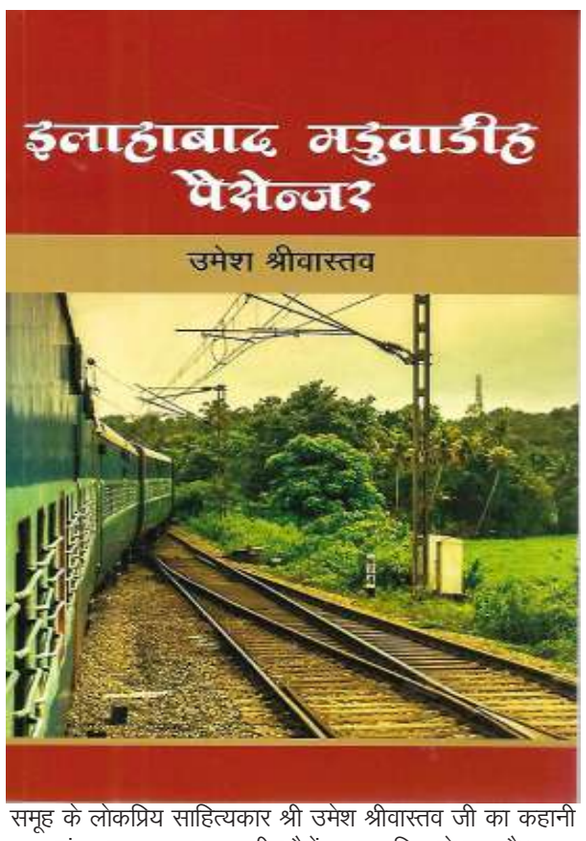

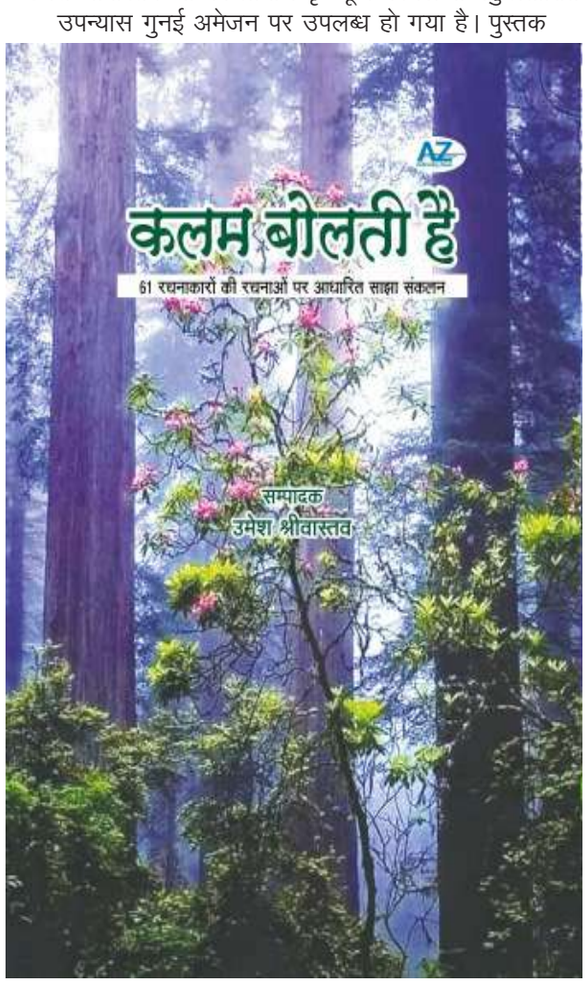

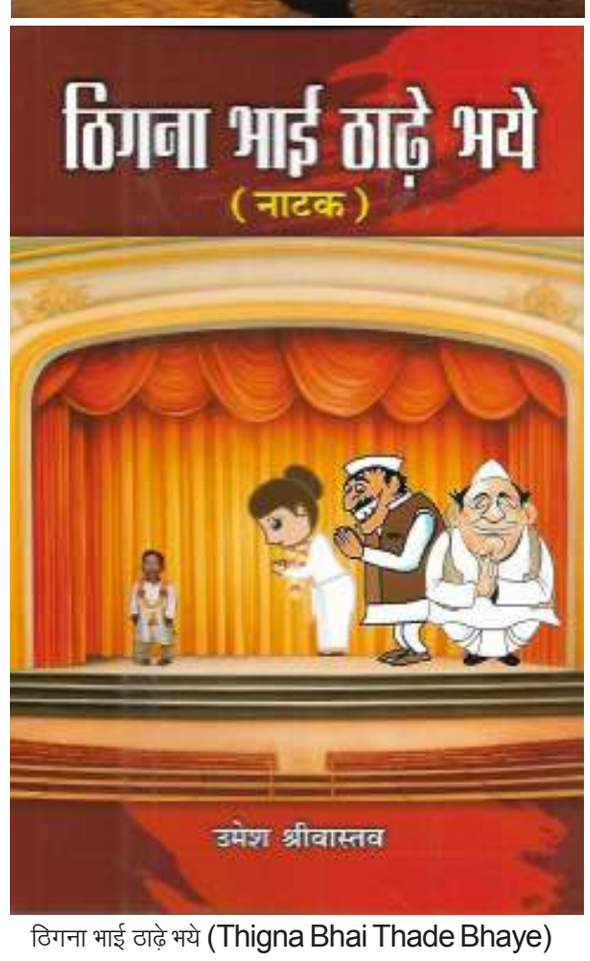

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

आतंकवाद और गधों के बाद अब भिखारियों के एक्सपोर्ट में लगा पाकिस्तान, सऊदी अरब हुआ परेशान

पाकिस्तान आतंकवाद का निर्यात करने के लिए जाना जाता है और भारत इसका शिकार रहा है। पाकिस्तान चीन को गधों का निर्यात भी करता था। पाकिस्तान के निर्यात की असामान्य सूची में शामिल हो रहे हैं भिखारी समस्या इतनी विकराल हो गई है कि सऊदी अरब और इराक जैसे देशों ने अब पाकिस्तानी सरकार से भिखारियों के प्रवाह को रोकने का अनुरोध किया है। सऊदी अधिकारियों ने धार्मिक तीर्थयात्रा की आड़ में राज्य में प्रवेश करने वाले भिखारियों की बढ़ती दर के बारे में इस्लामाबाद के समक्ष अपनी चिंता व्यक्त की है। पाकिस्तान से कहा कि यदि स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया, तो इसका देश के उमराह और हज यात्रियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

सरकार लाएगी उमरा अधिनियम

इसके जवाब में पाकिस्तान का धार्मिक मामलों का मंत्रालय एक उमरा अधिनियम पेश कर रहा है, जो इन धार्मिक यात्राओं की सुविधा प्रदान करने वाली ट्रैवल एजेंसियों को विनियमित करेगा और उन्हें कानूनी दायरे में लाएगा। दिलचस्प बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब सऊदी अरब ने इस मामले पर चिंता जताई है। पिछले साल भी सऊदी अरब ने हज यात्रा के दौरान सऊदी अरब में घुसने वाले भिखारियों की बढ़ती संख्या के बारे में इस्लामाबाद को चेतावनी दी थी।

मक्का की ग्रैंड मस्जिद के अंदर अदिकांश जेबकतरे पाकिस्तानी

प्रवासी पाकिस्तानियों के सचिव जीशान खानजादा ने

कहा था कि पश्चिम एशियाई देशों में हिरासत में लिए गए सभी भिखारियों में से नब्बे फीसदी भिखारी पाकिस्तान से हैं और ये भिखारी इराक और सऊदी अरब की जेलों में बंद हैं। पाकिस्तान के जियो न्यूज उर्दू ने खानजादा के हवाले से कहा कि इराक और सऊदी अरब के राजदूतों ने हमें बताया है कि पाकिस्तानी भिखारी उमरा वीजा पर जियारत (तीर्थयात्रा) की आड़ में विदेश यात्रा करते हैं और बाद में सड़कों पर भीख मांगने में संलग्न होते हैं। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि मक्का की ग्रैंड मस्जिद के भीतर से गिरफ्तार किए गए अधिकांश जेबकतरे पाकिस्तानी नागरिक हैं।

90 प्रतिशत भिखारी पाकिस्तान से हैं

पाकिस्तान के द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, समिति को संयुक्त अरब अमीरात में 1,600,000 और कतर में 200,000 पाकिस्तानियों की मौजूदगी के बारे में सूचित किया गया था। इससे पहले भी सऊदी अधिकारियों ने पाकिस्तान को हज कोटे के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय सावधानी बरतने को कहा था। सऊदी अरब ने कहा कि गिरफ्तार किए गए 90 प्रतिशत भिखारी पाकिस्तान से हैं। ये लोग उमराह वीजा पर हैं। सऊदी अरब ने पाकिस्तान के विदेश सचिव जीशान खानजादा को बार–बार अपराध करने वालों को भेजने के लिए भी आड़े हाथों लिया।

रूस से युद्ध रुकवाने के लिए फिर से शांति सम्मेलन की तैयारी, भारत के कंधों पर होगी बड़ी जिम्मेदारी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को बताया कि उन्होंने रूस के साथ कीव के लंबे युद्ध को समाप्त करने के लिए दूसरे अंतर्राष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत को पहले ही आमंत्रित किया है। ज़ेलेंस्की ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एकता हमेशा शांति के लिए काम करती है और युद्ध को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए सभी देशों से सामूहिक तैयारी का आह्वान किया। जेलेंस्की ने कहा कि मैं आप सभी प्रमुख देशों को इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूंष सभी जो

वास्तव में संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करते हैं। हम चीन को आमंत्रित करते हैं। हम ब्राज़ील को आमंत्रित करते हैं। मैंने पहले ही भारत को आमंत्रित किया है। हम अफ्रीकी देशों, पूरे लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व, मध्य एशिया, यूरोप, प्रशांत क्षेत्र और उत्तरी अमेरिका के साथ काम कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि दूसरा शांति शिखर सम्मेलन वास्तविक शांति की ओर ले जाएगा और इसे प्राप्त करने के तरीकों में से एक के रूप में संयुक्त राष्ट्र चार्टर की ओर इशारा किया। ज़ेलेंस्की ने यूएनएससी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया हमें शांति, न्यायपूर्ण शांति, वास्तविक शांति, स्थायी शांति की ओर ले जाएगी। हम सभी पहले से ही जानते हैं कि इसे कैसे प्राप्त किया जाए। जेलेंस्की ने 23 सितंबर को न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। यूक्रेन ने जेलेंस्की और मोदी की मुलाकात का अनुरोध किया था। यह बैठक क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र के 'समिट ऑफ द फ्यूचर' के लिए मोदी के संबोधन के इतर हुई थी। दोनों नेताओं के बीच लगभग तीन महीने में यह तीसरी मुलाकात है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने कीव में यूक्रेनी नेता से मुलाकात की थी।

हिज्बुल्ला ने अपने शीर्ष कमांडर इब्राहिम कोबेसी की मौत की पुष्टि की

हिज्बुल्ला ने मंगलवार को अपने एक शीर्ष कमांडर इब्राहिम कोबेसी की मौत की पुष्टि की, जो दक्षिणी बेरूत उपनगर में इजराइली हमले में मारा गया। हमले में छह मंजिला इमारत की तीन मंजिलों को निशाना बनाया गया था। एक सप्ताह से भी कम समय में बेरूत पर यह इजराइल का तीसरा हमला था। इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच जारी संघर्ष के तेज होने के बीच कोबेसी आतंकवादी संगठन का पहला सदस्य है जिसे मौजूदा संघर्ष के

दौरान मृत घोषित किया गया है। इजराइल ने कहा कि कोबेसी हिज्बुल्ला का शीर्ष कमांडर था, जो संगठन की रॉकेट और मिसाइल इकाई का जिम्मा संभालता था। इजराइली सैन्य अधिकारियों ने कहा कि कोबेसी इजराइल की ओर निशाना बनाकर रॉकेट और मिसाइल दागे जाने के लिए जिम्मेदार था और उसने वर्ष 2000 के हमले की साजिश रची थी जिसमें तीन इजराइली सैनिकों का अपहरण कर लिया गया था और उनकी हत्या कर दी गई थी।

डोनाल्ड ट्रंप से क्यों नहीं मिले पीएम मोदी? शानदार इंसान बताना भी नहीं आया काम, जानें क्या है वजह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की तीन दिवसीय सफल और अहम यात्रा के बाद स्वदेश लौट आए हैं। पहले तय कार्यक्रम के अनुसार मोदी को ट्रंप से मिलना था। ट्रंप ने मोदी से अपनी संभावित मुलाकात के बारे में भी बात की और पीएम को शानदार इंसान बताया। हालांकि, मोदी ने जोखिम नहीं लेना पसंद किया और ट्रंप से मिलने से परहेज किया। भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप से मिलते अगर उन्हें डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार और अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से भी मिलने का मौका मिलता। लेकिन, वह समय पर उपलब्ध नहीं थीं। इसलिए, मोदी ने दोनों दावेदारों ट्रंप और हैरिस से दूर रहने का फैसला किया। इसके अलावा, हैरिस को भारतीय अमेरिकियों का भारी समर्थन मिल रहा है, जबकि पहले वे ज्यादातर ट्रंप का समर्थन करते थे। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में भाग लिया। उन्होंने न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में भारतीय प्रवासियों को भी संबोधित किया और कई राष्ट्राध्यक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' में भी बात की। पीएम मोदी ने अपनी यात्रा की शुरुआत पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया से की, जहां उनका विमान एयर इंडिया वन उतरा। उनका स्वागत हजारों भारतीय–अमेरिकियों ने किया, जो उनका स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर एकत्र हुए थे। वहां से प्रधानमंत्री डेलावेयर के विलमिंगटन गए, जो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन का गृह शहर और राज्य है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने विलमिंगट्न स्थित अपने निजी आवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिस गर्मजोशी से स्वागत किया, वह दोनों नेताओं के बीच की पर्सनल केमिस्ट्री को ही नहीं, दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ती करीबी को भी दिखाता है। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा ऐसे समय में हुई, जब पूरी दुनिया की नजरें अगले नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव पर टिकी हैं। जनवरी तक वहां कमला हैरिस या डॉनल्ड ट्रंप में से कोई राष्ट्रपति पद पर विराजमान होगा। लेकिन जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी हम साथ बैठते हैं, सहयोग के नए–नए क्षेत्र तलाश लेते हैंश और यह भी कि श्दोनों देशों के रिश्ते आज अतीत के किसी भी दौर के मुकाबले ज्यादा मजबूत हैं।

75% मुद्दे सुलझ गए के बाद अब सब कुछ ठीक नहीं, चीन को लेकर अमेरिका में जयशंकर की दो टूक

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के बीच संबंध काफी बिगड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मुख्य मुद्दा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने को लेकर है। उन्होंने चार साल पहले एलएसी पर गलवान में हुई झड़प का जिक्र करते हुए कहा कि इस समय मुख्य मुद्दा गश्त करना है। दोनों पक्ष वास्तविक नियंत्रण रेखा तक कैसे गश्त करते हैं। 2020 के बाद से पैट्रोलिंग में गड़बड़ी हुई है। जयशंकर न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी और एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित श्भारत, एशिया और विश्वश नामक एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का चीन के साथ इतिहास मुश्किलों भरा रहा है, जिसमें 1962 का संघर्ष भी शामिल है। युद्ध के बाद राजदूतों को वापस भेजने में हमें 14 साल लगे और साल लग गए। इसका आधार सीमा संबंध विकसित करना था। मुझे एशिया के भविष्य के लिए अहम हैं कि अगर दुनिया को बहु–ध्रुवीय होना होगा। और इसलिए यह रिश्ता बल्कि संभवतरू दुनिया के भविष्य दो ऐसे देश हैं जो आपस में पड़ोसी वे ही एक अरब से अधिक आबादी व्यवस्था में उभर रहे हैं और उनकी ही उनकी एक साझा सीमा भी है। इसलिए यह बहुत जटिल मुद्दा है। मुझे लगता है कि अगर आप आज वैश्विक राजनीति में देखें तो भारत और चीन का समानांतर विकास बहुत, बहुत अनोखी समस्या है। जयशंकर ने स्वीकार किया कि टकराव वाले बिंदुओं के अधिकांश हिस्सों को हल कर लिया है, लेकिन अभी तक चुनौतियां बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से सीमा पर गश्त के अधिकारों के संबंध में अभी संघर्ष बना हुआ है। जयशंकर ने आगे सलाह देते हुए कहा कि अगर चीन के साथ संबंधों को सुधारना है तो दोनों देशों को श्डी–एस्केलेशनश के महत्व को समझना होगा। जयशंकर ने कहा कि जब मैं कहता हूं कि इसमें से 75 प्रतिशत समस्याओं को सुलझा लिया गया है तो यह केवल सैनिकों के पीछे हटने के संबंध में है। इसलिए यह समस्या का एक हिस्सा है।

रोहिंग्याओं को वापस भेजना संकट का एकमात्र स्थायी समाधान, न्यूयॉर्क में बोले बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार

वॉशिंगटन। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस आजकल न्यूयॉर्क में हैं। उन्होंने यहां इटली और कनाडा के प्रधानमंत्रियों से मुलाकात की। साथ ही प्रवासियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा, 79वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के मौके पर एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान रोहिंग्याओं को वापस लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। रोहिंग्या संकट पर न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के उच्चस्तरीय कार्यक्रम के दौरान, यूनुस ने म्यांमार से विस्थापित 12 लाख से अधिक रोहिंग्याओं की उपस्थिति के कारण बांग्लादेश के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने रोहिंग्याओं को शरण देने में सहानुभूति दिखाई है, लेकिन इस स्थिति से जुड़ी लागतें – सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय – काफी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश अपनी सीमा तक पहुंच गया है। इसलिए, जितना भी बांग्लादेश मानवीय पहलुओं या न्याय सुनिश्चित करने में संलग्न है, रोहिंग्याओं को (प्रत्यावर्तन) वापस भेजना ही मौजूदा संकट का एकमात्र स्थायी समाधान है। वहीं, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा, श्हमारे मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात कर प्रवासियों के मुद्दों पर चर्चा की। कई बांग्लादेशी अवैध रूप से इटली पहुंचने के लिए जोखिम भरे रास्ते अपनाते हैं। इसलिए डॉ. यूनुस ने इस प्रक्रिया को कानूनी बनाने के तरीकों की तलाश की, जिससे अधिक बांग्लादेशियों को इटली में जाने और काम करने की अनुमति मिल सके। प्रधानमंत्री मेलोनी ने बांग्लादेश सरकार को मदद का आश्वासन दिया। डॉ. यूनुस ने कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो से बांग्लादेशी छात्रों के लिए छात्र वीजा बढ़ाने के बारे में भी बात की।

संक्षिप्त

इजरायल के फाइटर जेट ने घुसकर हिजबुल्ला को ठोका, लेबनान में स्कूल बंद, एयरलाइंस ने रोकीं उड़ानें

इजरायल एक साल से युद्ध लड़ रहा है। एक ओर हमास से उसकी लड़ाई जारी है तो दूसरी ओर हिजबुल्ला पर भी इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। हाल ही में लेबनान में पेजर वॉकी टॉकी ब्लास्ट से दहशत फैली थी। हिजबुल्ला अभी संभलता कि एक बार फिर इजरायल ने फाइटर जेट से लेबनान में मिसाइल बम अटैक करके उसे पूरी तरह से बैकफुट पर कर दिया है। इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्ला के 1600 टारगेट को निशाना बनाया है और इन्हें नेस्तानाबूद कर दिया गया है। रात भर लेबनान में बम गिराए

गए। हमलों में अब तक 492 मौतें होने की खबर है। इजरायल ने चेतावनी भी दी है कि हिज़बुल्ला के खिलाफ तेजी से हमले किए जाएंगे। ऐसे में लेबनानी नागरिकों को उन इलाकों को खाली करने के लिए कहा गया है जहां हिजबुल्ला के हथियार छिपाने की आशंका है। आईडीएफ का दावा है कि लेबनान के लोगों के घरों में एक एक हजार किलो के भारी रॉकेट मिले हैं। फिलहाल लेबनान में 25 सितंबर तक के शिप स्कूटर–कॉलेज बंद कर दिए गए है। लोगों को सुरक्षित जगहों पर नेणा गया है। हमलों के सर से हजारों लेबनानी सुरक्षित जगह की तलाश में घर छोड़ चुके है। इससे पहले 2006 में महीने भर चली लड़ाई में 1000 लेबनान के नागरिक मारे गए थे। लेबनान में जाती इवली हवाई हमलों के बीच ने अगती गली सूचन तक बेरणा के लिए उड़ानों को अत्यास से रोक दिया है। ताई दुबई, बगिरंट्स, कतर एयरवेज, ब्रिटिश एकरवेज ने भी वही कदम उठाया है। अमेरिका के बकरात प्रशासन ने लेबनान में अमेरिकियों से यह देश छोड़ने की अपील की है। वाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा क पनि जिबों ने मगलवार को कल कि उड़ाने अब भी मौजूद है।

अरबी भाषा में आए फोन कॉल और मैसेज, हिज्बुल्लाह पर इजरायल का फुल फ्लेज्ड एक्शन से पहले भेजा वार्निंग अलर्ट

करीब साल भर से हमास के साथ बैटल ग्राउंड में डटा इजरायल अब फुल फ्लेज्ड वॉर के मूड में नजर आ रहा है। लेबनान में पेजर–वॉकी टॉकी ब्लास्ट से मची दहशत के बीच इजरायल ने फाइटर जेट से लेबनान में मिसाइल अटैक करके सभी को हैरान कर दिया है। इजरायल ने लेबनान के लोगों को फोन और संदेश भेजकर कहा था कि वे उन सभी क्षेत्रों को खाली कर दें जहां हिजबुल्लाह ने कथित तौर पर हथियार जमा कर रखे हैं। इससे पहले कि वे उन पर हमला करें। लेबनानी और इज़रायली अधिकारियों के अनुसार, अरबी भाषा में आए फोन कॉल या संदेशों में कहा गया कि आप हिज़बुल्लाह के हथियार रखने वाली किसी इमारत में हैं, तो अगली सूचना तक गांव से दूर चले जाएं। यही संदेश कम से कम एक रेडियो स्टेशन पर

भी प्रसारित किया गया। 23 सितंबर से अब तक, इज़राइल ने लेबनान में कई जगहों पर बमबारी की है। उनका मानना घ्छै कि हिज़बुल्लाह के गुर्गों ने हथियार जमा कर रखे हैं। इज़राइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि हमलों में हिज़बुल्लाह के हज़ारों रॉकेट और मिसाइलें नष्ट हो गईंझ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैमरे के सामने आकर 50 सेकेंड तक लेबनान की जनता को समझाया कि वो हिजबुल्ला के आतंकियों का साथ न दे। नेतन्याहू ने साफ कहा कि हम आपको पहले ही चेतावनी दे रहे हैं, बाद में मानवाधिकारों की दुहाई मत देना। जराइली सेना ने कहा है कि वह दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में हिजबुल्ला के हथियार भंडारों के खिलाफ हवाई हमले का दायरा बढ़ा रही है। इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि वह दक्षिणी लेबनान में 300 से अधिक स्थलों को निशाना बनाने के बाद, लेबनान की पूर्वी सीमा पर बेका घाटी के क्षेत्रों को शामिल करने के लिए अपने हवाई हमलों का विस्तार कर रही है।

अमेरिका यूक्रेन को भेजेगा 37 करोड़ डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता

अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका यूक्रेन को 37 करोड़ 50 लाख डॉलर की सैन्य सहायता के तहत मध्यम दूरी की मारक क्षमता वाले क्लस्टर बम और रॉकेट, तोप और बख्तरबंद वाहन भेजेगा। अमेरिकी अधिकारियों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि इस

सहायता के संबंध में अभी तक सार्वजनिक तौर पर कोई घोषणा नहीं की गई है। अधिकारियों को बुधवार को इस संबंध में घोषणा किए जाने की उम्मीद है, क्योंकि वैश्विक नेता संयुक्त राष्ट्र महासभा में मुलाकात करने वाले हैं। इस नवीनतम पैकेज सहित अमेरिका ने फरवरी 2022 में रूसी सेना के आक्रमण के बाद से यूक्रेन को 56. 2 अरब डॉलर से अधिक की सुरक्षा सहायता प्रदान की है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।